www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-25 अंक-167 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

बैकुण्ठपुर, रविवार 29 जून, 2025

आज का विचार

अपनी जिन्दगी पर कभी भी अफसोस मत करना, हो सकता है जैसी जिन्दगी आप जी रहे हैं वो किसी और के लिए एक सपने जैसी हो।

छत्तीसगढ़ में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता : बिलासपुर में 100 करोड़ की लागत से बनेगी आधुनिक एजुकेशन सिटी - मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में बिलासपुर शहर को एक आधुनिक एजुकेशनल हब के रूप में विकसित करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दिशानिर्देश पर बिलासपुर में एजुकेशनल सिटी की अवधारणा विकसित की गई है। इस परियोजना के लिए बिलासपुर नगर पालिक निगम की लगभग 13 एकड़ भूमि का उपयोग प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बिलासपुर एजुकेशनल सिटी में नालंदा परिसर की स्थापना की जाएगी, जहां 500 छात्र-छात्राएं एक साथ बैठकर फिजिकल एवं डिजिटल लाइब्रेरी का लाभ ले सकेंगे। इसके साथ ही तीन बहुमंजिला इमारतों का निर्माण किया जाएगा, जिनमें कुल 48 हॉल सेटअप (1 सेटअप में 1 हॉल, 2 कक्ष और 1 टॉयलेट) तैयार किए जाएंगे। इस व्यवस्था में एक साथ 4,800 विद्यार्थियों के कोचिंग क्लास अटेंड करने की

सुविधा रहेगी। छात्रों के शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास के लिए 700 सीटों वाले आधुनिक ऑडिटोरियम का निर्माण भी किया जाएगा। वहीं, बाहर से आने वाले लगभग 1000 विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल फैसिलिटी भी निर्मित की जाएगी। खेलकूद और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एजुकेशनल सिटी में एस्ट्रोटर्फ खेल मैदान तथा सुंदर गार्डन भी विकसित किए जाएंगे।

साथ ही, वाहनों के लिए मल्टी लेवल पार्किंग की व्यवस्था होगी ताकि आने-जाने में कोई असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित लागत करीब 100 करोड़ रुपये होगी और इसके निर्माण कार्य की कार्य योजना नगर पालिक निगम बिलासपुर द्वारा तैयार कर ली गई है। शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा, जिससे बिलासपुर एजुकेशनल सिटी प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करेगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य गठन के पश्चात बिलासपुर शहर ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। बिलासपुर में एसईसीएल का मुख्यालय और रेलवे का डीआरएम कार्यालय भी स्थित है, जिससे यह शहर न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। यहां एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, दो विश्वविद्यालय, आठ महाविद्यालय, लोक सेवा आयोग, व्यापम और आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले करीब 100 से अधिक कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं, जिनमें प्रदेश के 50,000 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं।

₹छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में स्थान देती है। हमारी यह अटल प्रतिबद्धता है कि प्रदेश का प्रत्येक विद्यार्थी आधुनिक संसाधनों, उन्नत अधोसंरचना और प्रेरक वातावरण में अपनी क्षमताओं को संवार सके और आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर सके। बिलासपुर एजुकेशन सिटी का निर्माण इसी दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह न सिर्फ बिलासपुर को छत्तीसगढ़ का एजुकेशनल हब बनाएगा, बल्कि प्रदेश के हजारों युवाओं को उच्चस्तरीय सुविधाओं में अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर देगा। नालंदा परिसर, बहुमंजिला कोचिंग भवन, डिजिटल और फिजिकल लाइब्रेरी, हॉस्टल, ऑडिटोरियम, खेल मैदान और ग्रीन जोन - ये सभी सुविधाएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को समर्पित होंगी।

मुझे विश्वास है कि यह परियोजना आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक परिदृश्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी और हमारे युवाओं को उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करेगी।

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

पहला कॉलम

अमरनाथ यात्रा पर मंडरा रहा आतंकी हमले का खतरा, उधमपुर के बसंतगढ़ में जैश का एक आतंकवादी ढेर, तीन को घेरा

रायपुर। कदाचरण और कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध बलौदाबाजार जिला प्रशासन द्वारा कठोर करवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियो से जिओ टैगिंग व मस्टर.रोल प्रस्तुत करने के एवज में राशि लेने की शिकायत जांच में पुष्टि होने पर रोजगार सहायक को बर्खास्त कर दिया गया है। विकासखंड कसडोल अंतर्गत ग्राम पंचायत बिलारी (क) में पदस्थ ग्राम रोजगार सहायक गौरीशंकर पैकरा के विरुद्ध प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से जिओ टैगिंग व मस्टर.रोल प्रस्तुत करने के एवज में राशि लेने एवं अभद्र व्यवहार करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कसडोल द्वारा शिकायत जांच कराई गई। जांच में रोजगार सहायक गौरीशंकर पैकरा के विरुद्ध शिकायत सही पाए जाने तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के अनुमोदन उपरांत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कसडोल द्वारा ग्राम पंचायत बिलारी (क) के रोजगार सहायक गौरीशंकर पैकरा को संविदा पद से पृथक कर दिया गया है।

कुछ अलग

तीन बहनों पर कुल्हाड़ी से हमला करने वाला कोरबा से गिरफ्तार

बिलासपुर। 26 जून की रात सरकंडा थाना क्षेत्र के बहतराई अटल आवास में जब बिजली गुल थी और अंधेरे का फायदा उठाकर तीन सगी बहनों पर कुल्हाड़ी से हमला करने वाले आरोपी अमन पटेल को पुलिस ने कोरबा से गिरफ्तार कर लिया है। तीनों बहनों का अस्पताल में इलाज जारी है।

आरोपी अमन पटेल ने देर रात तीनों बहनों पर चापड़ से हमला किया, जिससे उनके गर्दन, हाथ, पीठ और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। हमले के वक्त तीनों बहनें ड्यूटी से लौटकर आई थीं और अपने रूम में आराम कर रही थीं। घटना के तुरंत बाद मोहल्ले के लोगों ने पुलिस को सूचना दी और एक ई-रिक्शा चालक की मदद से तीनों घायल बहनों उर्मिला श्रीवास (22), रानी श्रीवास (20) और स्मृति श्रीवास (19) को सिम्स अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। तीनों बहनें मूल रूप से कोरबा जिले के बांकीमोंगरा की रहने वाली हैं और बिलासपुर के गोलबाजार स्थित एक रुई दुकान में काम करती थीं। उर्मिला शादीशुदा है और उसका एक बेटा भी है, लेकिन वह अपने पति से अलग रहती है। पुलिस ने आरोपी अमन पटेल को कोरबा से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने माना कि उसने पुरानी रंजिश की वजह से हमला किया।

खरी-खरी

अंजली की मौत पर फूटा जनाक्रोश – श्वेता अस्पताल पर मिलिभगत का आरोप, परिजन बोले- न्याय नहीं मिला तो आंदोलन होगा और उग्र

जुमार्ना और निलंबन को बताया दिखावा, अस्पताल को स्थायी रूप से बंद करने की मांग पर अड़े ग्रामीण

कोरबा अम्बिकावाणी - रिस्दी स्थित श्वेता अस्पताल में प्रसूता अंजली सिंह की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग की जांच और कार्रवाई के बावजूद परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश थम नहीं रहा है। शनिवार २८ जून को सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अस्पताल के सामने प्रदर्शन कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और अस्पताल को स्थायी रूप से बंद करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। परिजनों का कहना है कि यह कार्रवाई केवल दिखावा है और प्रशासन अस्पताल प्रबंधन को बचाने में लगा हुआ है। पीड़िता के पति रंजीत सिंह ने बताया कि पत्नी अंजली सिंह को सामान्य प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने स्थिति सामान्य

बताई, लेकिन कुछ ही घंटों में उसकी मौत की सूचना दे दी गई। परिजनों को इलाज की जानकारी तक नहीं दी गई और न ही किसी चिकित्सा प्रक्रिया में शामिल किया गया।

जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसएन केसरी की टीम ने २७ जून को अस्पताल का निरीक्षण किया था, जिसमें गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। जांच के बाद अस्पताल पर २०,००० रुपये का जुमार्ना लगाया गया और पंजीयन को १५ दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया। लेकिन परिजनों ने इस कार्रवाई को महज कागजी बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया। धरना स्थल पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक अस्पताल को स्थायी रूप से बंद नहीं किया जाएगा और जिम्मेदारों को बर्खास्त कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रबंधन की मिलीभगत से सच्चाई को दबाने की कोशिश की जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने विशेष रूप से अस्पताल के दो कर्मचारियों मनियारो और खजूर को तत्काल निलंबित कर उनकी भूमिका की स्वतंत्र जांच की मांग की है। धरना स्थल पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। देर शाम एसडीएम और तहसीलदार मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर १५ दिनों में निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। परिजनों ने चेतावनी दी है कि अगर तय समय में सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। यह मामला अब केवल चिकित्सा लापरवाही का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम पर उठते भरोसे का सवाल बन गया है। लोग पूछ रहे हैं कि क्या हर मौत के बाद केवल जुमार्ना और औपचारिक जांच से ही न्याय मिलेगा?

एक ही भूमि पर कई अनुबंध कर राशि हड़पने का आरोप

अम्बिकापुर। हाल ही में निलेश सिंह , राजेश सिंह एवं अन्य के विरुद्ध थाने में चल रहे जाँच के विषय में निलेश सिंह ने भट्ठी रोड स्थित कैलाश मंगलम में प्रेस को सम्बोधित किया।

प्रेस को संबोधित करते हुए नीलेश सिंह ने कहा कि हमारे ऊपर यह आरोप लगाया गया है कि हमने कलावती और चंद्रमणि कुशवाहा की भूमि क्रय करने के पश्चात उसका संपूर्ण प्रतिफल (विक्रय मूल्य) प्रदान नहीं किया है। जबकि सच्चाई यह है कि हमने विक्रय पत्र में उल्लेखित पूर्ण विक्रय मूल्य का भुगतान कलावती और चंद्रमणि कुशवाहा को चेक के माध्यम से किया है। इस भुगतान की स्वीकारोक्ति स्वयं प्राथीर्या ने थाना, न्यायालय एवं अपने अन्य आवेदन में की है। उन्होंने बताया कि कलावती और चंद्रमणि द्वारा भूमि हमें विक्रय करने के पश्चात भी कई अन्य लोगों के साथ उसी भूमि का विक्रय हेतु अनुबंध किया गया और उनसे राशि भी प्राप्त कर ली है। इस पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर कराई गई थी, जिसमें हमें किसी भी प्रकार का अपराध करते नहीं पाया गया। परिणामस्वरूप, पुलिस महानिरीक्षक द्वारा इस शिकायत को नस्तीबद्ध कर दिया गया था।

आगे उन्होंने कहा कि कलावती और चंद्रमणि द्वारा अन्य व्यक्तियों से अनुबंध करने के कारण थाने एवं सिविल कोर्ट, अंबिकापुर में उनके के विरुद्ध सिविल एवं आपराधिक प्रकरण विचाराधीन हैं जबकि आज तक उन्होंने हमारे विरुद्ध कोई भी सिविल वाद प्रस्तुत नहीं किया है।

निलेश सिंह ने बताया कि हमारी रजिस्ट्री संपन्न होने के दिन से लेकर आज तक प्राथीर्या अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उस रजिस्ट्री की वैधता को चुनौती देते हुए न तो कोई वाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया और न ही कोई वाद लंबित है। उन्होंने कहा कि अन्य व्यक्तियों से अनुबंध कर ली गई राशि को लौटाने की जिम्मेदारी से बचने के लिए तथा हम पर अनुचित दबाव डालने हेतु कलावती और चंद्रमणि कुशवाहा ने हमारे विरुद्ध झूठी शिकायत दर्ज कराई है। वास्तव में, विक्रय मूल्य की पूरी राशि हमसे प्राप्त कर लेने के बाद भी वो अतिरिक्त राशि की प्राप्ति के उद्देश्य से इस प्रकार का दबाव बना रही है। उन्होंने पुलिस प्रतिवेदन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें कलावती और चंद्रमणि को ?१,३४,००,०००/- देना शेष है, किंतु यह स्पष्ट नहीं किया गया कि यह राशि किस आधार पर, किस मद में और क्यों देनी है। उन्होंने कहा कि हम समाज व प्रशासन से यह जानना चाहते हैं कि जब हमने विक्रय मूल्य का पूर्ण भुगतान कर दिया है, और रजिस्ट्री पर कोई कानूनी विवाद भी नहीं है, तब हमें यह राशि क्यों और किस लिए देनी चाहिए।

स्वच्छता दीदियों की सुरक्षा पर उठे सवाल-कोरबा नेता प्रतिपक्ष ने पीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

कोरबा अम्बिकावाणी - स्वच्छ भारत मिशन के तहत कोरबा नगर निगम क्षेत्र में संचालित मणिकंचन केंद्रों में कार्यरत सैकड़ों स्वच्छता दीदियों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू ने इस विषय को गंभीर बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में मांग की गई है कि इन महिला कर्मचारियों को ईएसआईसी स्वास्थ्य सुविधा, ड्राइविंग लाइसेंस, और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का तत्काल लाभ दिया

जाए। उन्होंने कहा कि ये स्वच्छता दीदियां घर-घर जाकर कचरा संग्रहण करती हैं और फिर मणिकंचन केंद्रों में लाकर गीले व सूखे कचरे का पृथक्करण करती हैं। इस कार्य के लिए शासन द्वारा प्रदत्त ऑटो रिक्शा का उपयोग किया जाता है, लेकिन काम के दौरान उन्हें किसी भी प्रकार की बीमा या सुरक्षा सुविधा प्राप्त नहीं है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि बालको क्षेत्र में हाल ही में दो कर्मचारियों संजय कुमार गोंड और वर्षा के साथ दुर्घटना हुई, जिसमें एक का हाथ और दूसरे का पैर टूट गया। दोनों को इलाज का खर्च खुद उठाना पड़ा क्योंकि शासन स्तर से किसी प्रकार की सहायता उपलब्ध नहीं हुई। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कोरबा नगर निगम क्षेत्र में लगभग ६०० स्वच्छता दीदियां न्यूनतम वेतन पर कार्यरत हैं, जिन्हें न तो ईएसआईसी सुविधा प्राप्त है और न ही किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने मांग की कि इन महिला कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा, वाहन संचालन के लिए लाइसेंस, और श्रम कल्याण योजनाओं का तत्काल लाभ प्रदान किया जाए ताकि उनके आर्थिक और शारीरिक जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय श्रीमती बसंती पैंकरा को अर्पित की विनम्र श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम कोकियाखार पहुंचकर विधायक श्रीमती गोमती साय की माता स्वर्गीय श्रीमती बसंती पैंकरा के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय श्रीमती बसंती पैंकरा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने उनके शोक-संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

पहला कालम

एनएच पर खड़े ट्रेलर से टकराकर युवक की मौत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शुक्रवार देर रात करीब साढ़े दस बजे दसवीं बटालियन स्थित पेट्रोल पंप के समीप एनएच ४३ में असुरक्षित हालत में खड़े ट्राला से टकरा बाइक सवार युवक की मौत हो गई।बताया गया कि आवश्यक कार्य हेतु रात में घर से सिलफिली की ओर जा रहे बाइक सवार युवक सड़क में पसरे अंधेरे के कारण सड़क पर खड़े ट्रेलर में पीछे से टकरा गया। दुर्घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत गणेशपुर निवासी ३८ वर्षीय रमाशंकर कुजूर पिता मोती राम शुक्रवार की रात करीब साढ़े दस बजे अपनी पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी १५ डीक्यू ०६५१ में सिलफिली की ओर किसी आवश्यक कार्य से जा रहा था। तभी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक ४३ पर कनकपुर स्थित दसवीं बटालियन पेट्रोल पंप के समीप सड़क पर खराब ट्राला असुरक्षित बिना लाइट इंडिकेटर के खड़े ट्रेलर वाहन क्रमांक यूपी ३२ क्यूएन ८६०५ में पीछे से टकरा गया। दुर्घटना में युवक के सिर में गंभीर चोट आने की वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत मामले को जांच में लिया है।

बरसात के पूर्व डेंगू से स्वास्थ्य विभाग सतर्क ,स्वास्थ्य विभाग ने शुरू किया जागरूकता एवं नियंत्रण अभियान

रायपुर। बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों की आशंका को देखते हुए रायपुर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि जिले में मितानिनों, ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति और समुदाय की भागीदारी से ₹सोर्स रिडक्शन₹ गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इसके तहत कूलर, टंकी, टायर, फूलदान, फ्रिज ट्रे आदि में जमा पानी हटाया जा रहा है, और जरूरत पड ? पर टेमीफास लावीसाईड का छिड़काव किया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. विमल किशोर राय ने कहा कि डेंगू की रोकथाम घर से ही शुरू होती है। जनसामान्य से अपील की गई है कि सप्ताह में कम से कम 10 मिनट निकालकर अपने घरों को मच्छर मुक्त बनाएं।

डेंगू से बचाव के लिए सुझाव

* घरों में जमा पानी सप्ताह में एक बार हटाएं (ड्राय डे मनाएं)
* कूलर, टंकी और बर्तनों को ढंककर रखें
* पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें
* बुखार होने पर पैरासिटामोल लें, तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें
* सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें

कलेक्टर ने किया जिला सहकारी बैंक उदयपुर का औचक निरीक्षण

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने आज विकासखंड उदयपुर में संचालित जिला सहकारी मर्यादित बैंक शाखा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शाखा प्रबंधक के लंबे समय से अनुपस्थित पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताते हुए तत्काल निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि बैंक संचालन में किसी प्रकार की व्यवधान न आए, इसके लिए शीघ्र नए अधिकारी की पदस्थापना की जाए। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक किसानों के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय सुविधा का केंद्र है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैंक के ऑपरेटर की अनुपस्थिति पर भी कलेक्टर ने नाराजगी जताई और उसे तत्काल कार्य से हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने बैंक के अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। कार्य में लापरवाही करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री भोसकर ने लखनपुर एवं उदयपुर स्थित खाद-बीज वितरण केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यूरिया, इफको, डीएपी, पोटाश और धान बीज की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने उपस्थित किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और आश्वस्त किया कि खाद और बीज की आपूर्ति समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने समिति प्रबंधकों को निर्देश दिए कि पात्रता के अनुसार छोटे एवं बड़े किसानों को प्राथमिकता से खाद-बीज का वितरण किया जाए, और छोटे किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री बनसिंह नेताम, सीसीबी नोडल अधिकारी श्री पी.सी. गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर एवं वनमण्डलाधिकारी

बलरामपुर, (अम्बिकावाणी समाचार)। स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति और दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यप्रणाली को परखने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक कुमार बाजपेयी ने जिले के दूरस्थ क्षेत्र में स्थित मनोहरपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र परिसर का भ्रमण करते हुए परिसर की स्वच्छता, भवन की स्थिति, बैठने की व्यवस्था, पेयजल सुविधा, शौचालयों की स्थिति तथा रोगियों के लिए उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री कटारा ने उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया कि स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, स्वास्थ्य कार्यकर्ता तथा अन्य कर्मचारी निर्धारित समय पर उपस्थित हैं या नहीं। उन्होंने मरीजों के पंजीयन, ओपीडी संचालन समय और आपातकालीन स्थिति में निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों और कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य है ताकि आम नागरिकों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपस्थित मरीजों से संवाद भी किया। उन्होंने मरीजों से पूछा कि समय पर ईलाज, दवाइयां पर्याप्त रूप से मिलती हैं या नहीं। गर्भवती महिला से चर्चा करते हुए उन्होंने प्रसव सुविधा के संबंध में जानकारी भी ली। इस दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से मातृ स्वास्थ्य से संबंधित सेवाओं सहित आपातकालीन सेवा की उपलब्धता, रेफरल सुविधा के संबंध में पूछा। कलेक्टर श्री कटारा ने अस्पताल में दवाइयों की उपलब्धता जैसे बुखार, दस्त, जुकाम, खांसी, मलेरिया तथा मौसमी बीमारियों की दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं या नहीं कि जानकारी ली। उन्होंने मानसून के आगमन के साथ ही सर्पदंश के मामलों में संभावित वृद्धि को देखते हुए एंटी-स्नेक वेनम की उपलब्धता की भी जानकारी ली।

खाद बीज की किल्लत को लेकर पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के नेतृत्व में किसान एवं कांग्रेसियो ने समिति का घेराव कर धरना प्रदर्शन किया

सीतापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। खाद बीज के किल्लत से जूझ रहे किसानो की समस्या को लेकर पूर्व खाद्य मंत्री अमर जीत भगत के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकताओं द्वारा ,सीतापुर सहित भूसु,प्रतापगढ़, सहकारी समितियों का घेराव कर धरना प्रदर्शन व नारेबाजी की।तथा एक ज्ञापन जिला कलेक्टर के नाम तहसीलदार को सौंपा।

धरना प्रदर्शन की सम्बोधित कर पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि प्रदेश के भाजपा सरकार किसान विरोधी सरकार है।झूठे वादे कर सत्ता हथियाने वाली सरकार पूरी तरह नाकाम है। किसानों को सही समय पर खाद बीज उपलब्ध नही हो रहा है। खाद बीज की किल्लत सभी समितियों में है।ऐसे में किसान परेशान है, उन्हें मजबूरन ऊंचे दरों में दुकान से खाद बीज लेना पड़ रहा है, जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है।

खेती बाड़ी का समय सुरु हो चुका है,ऐसे में क्षेत्र के किसान खाद बीज के लिये दर दर भटकने को विवश हैं। ऐसे हाल में किसानो की खेती पिछड़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि भूसू समिति में नकली खाद की सप्लाई हुई, यह नकली खाद कहा से आया ,और यहा का असली खाद जो किसानों को देने के लिए आया था वो खाद कहा गया ? उन पर क्या कार्यवाही हुआ?आदि वही अधिकारी कार्यवाही के नाम पर खाद का सैम्पल लेकर खाना पूर्ति कर रहे है। आदि इन सभी चीजों पर कार्यवाही नही हुआ साथ ही किसानों को जल्द ही खाद उपलब्ध नहीं कराया गया ,तो उग्र आंदोलन किया जायेगा। धरना में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तिलक बेहरा लालचंद यादव मनशुख राम बदरूद्दीन एराकी अरुण गुप्ता नरेश बघेल सुखदेव राम सहित काफी संख्या कांग्रेस कार्यकर्ता और किसान शामिल थे।

बारिश से 1 सी कॉलोनी में गिरी दीवार, घर बना जानवरों का अड्डा

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के गायत्री खदान में कार्यरत वन सी कॉलोनी क्वार्टर नंबर ५४ निवासी चतुर चतुर्वेदी की दीवार बारिश की वजह से जमींदोज हो गई। दो महीने पहले ही दिवाल की बदहाली को लेकर कर्मचारी द्वारा प्रबंधन को मरम्मत कार्य हेतु दिए गए आवेदन पर कोई पहल नहीं किए जाने का खामियाजा कोल कर्मी को उठाने मजबूर होना पड़ रहा है। गौरतलब है कि गायत्री खदान में कार्यरत वन सी कॉलोनी क्वार्टर नंबर ५४ निवासी चतुर चतुर्वेदी के आवास के पिछले हिस्से का दीवार कोर्डयार्ड बारिश की वजह से गिर गई है। बताया जा रहा है कि उन्होंने दो महीने पहले ही सिविल विभाग को जानकारी दी थी कि घर के पिछले हिस्से की दीवार लगातार पानी रिसाव के कारण कमजोर हो चुकी है, लेकिन अफसरों ने जैसे शिकायत को डिलीट मोड में डाल दिया, और अब पहली ही बारिश ने विभाग की लापरवाही की दीवार ढहा दी।दीवार गिरने के बाद हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि अब गाय, सुअर और कुत्ते घर में प्रवेश कर रहे हैं। दीवार गिरने उपरांत अब कोल कर्मी को पहरेदारी करने विवश होना पड़ रहा है। दिलचस्प बात यह है कि अभी तक कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर देखने तक नहीं गया है।सिविल विभाग को जानकारी हो गई है, फिर भी मौन व्रत जारी है। कॉलोनी के अन्य रहवासियों ने भी इस घटना को गंभीरता से लेते हुए कहा कि कई क्वार्टर ऐसे ही स्थिति में हैं।यह केवल एक दीवार नहीं गिरी है, यह व्यवस्था की बुनियाद पर सवाल है। जहां कर्मचारी की आवाज दो महीने तक गूंजती रही, पर किसी ने नहीं सुना।

यशराज फिल्म्स की वॉर 2 का ग्लोबल आइमैक्स रिलीज 14 अगस्त को

यशराज फिल्म्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित स्पाई थ्रिलर वॉर २ के वैश्विक आइमैक्स रिलीज की आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह फिल्म १४ अगस्त को भारत के साथ-साथ उत्तर अमेरिका, मिडिल ईस्ट, यूके और यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में आइमैक्स सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

वॉर २ , वाईआरएफ के ब्लॉकबस्टर स्पाई यूनिवर्स का नया चैप्टर है, जिसमें पहले पठान , टाइगर ३ और वॉर जैसी सुपरहिट फिल्में आ चुकी हैं। पठान पहले ही भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी आइमैक्स फिल्मों में से एक बन चुकी है।

रिलीज के ५० दिन पहले, वाईआरएफ ने हृथिक रोशन , एनटीआर और कियारा आडवाणी के नए आइमैक्स पोस्टर जारी किए हैं, जिससे फैंस में भारी उत्साह है।

वाईआरएफ के वाइस प्रेसिडेंट, इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन, नेल्सन डीसूजा ने कहा कि हम भारतीय सिनेमा की सीमाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वॉर २ हमारे स्पाई यूनिवर्स का एक मील का पत्थर है और हम आइमैक्स के साथ मिलकर इसे सबसे इमर्सिव फॉर्मेट में दर्शकों तक लाने को लेकर उत्साहित हैं।

आइमैक्स के वाइस प्रेसिडेंट, क्रिस्टोफर टिलमैन ने कहा कि हमें यशराज फिल्म्स और आदित्य चोपड़ा के साथ वार २ को दुनियाभर के आइमैक्स थिएटर में लाने की खुशी है। निर्देशक अयान मुखर्जी ने जो एक्शन और विजुअल अनुभव तैयार किया है, वह आइमैक्स स्क्रीन पर सबसे शानदार तरीके से सामने आएगा।

निर्देशक अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित वॉर २ एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म है जिसमें अद्भुत विजुअल्स और स्टंट्स देखने को मिलेंगे झ खासतौर पर आइमैक्स अनुभव के लिए डिजाइन की गई।

नेशनल पार्क मुठभेड़ में मारे गये नक्सली की शिनाख्त रसोई सहायक के रूप में हुई

बीजापुर। नेशनल पार्क क्षेत्र में जून 2025 के पहले पखवाड़े में अभियान के दौरान 5 जून की सुबह नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई के परिणाम स्वरूप मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने सीसीएम कैडर के नक्सली गौतम ऊर्फ सुधाकर का शव और एक एके-47 रायफल बरामद की गई, 6 जून को नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में तेलंगाना स्टेट कमेटी सदस्य एसजेडसी कैडर के नक्सली भास्कर राव सहित 4 नक्सली एवं 7 जून को 2 नक्सलियों को ढेर किया गया था। बरामद शवों में मारे गये कुल 7 नक्सलियों में से 5 नक्सलियों की शिनाख्त कर ली गई थी। इसके साथ ही दो नक्सलियों की शिनाख्त नही हुई जिसमें 1 अज्ञात महिला नक्सली उम्र लगभग 50 वर्ष एवं 1 अज्ञात पुरूष नक्सली का शव उम्र लगभग 35 वर्ष था। इसमें से एक पुरूष नक्सली की शिनाख्त महेश कोडियम निवासी ग्राम इरपागुट्टा थाना फरसेगढ़ के रूप में की गई है। वह नेशनल पार्क क्षेत्र का नक्सली संगठन का सदस्य था। इसके साथ ही महेश कोडियम ग्राम इरपागुट्टा के प्राथमिक विद्यालय में रसोई सहायक के रूप में कार्यरत था ।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृत महेश कोडियम के शव का पंचनामा किए जाने के दौरान यह तथ्य सामने आया कि वह नेशनल पार्क क्षेत्र का नक्सली संगठन का सदस्य था। इसके साथ ही महेश कोडियम ग्राम इरपागुट्टा के प्राथमिक विद्यालय इरपागुट्टा में रसोई सहायक के रूप में कार्यरत था। उसका चयन गांव के विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा किया गया था, और मार्च 2025 तक उसे इस कार्य के लिए भुगतान किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार यह अभी जांच का विषय है कि महेश कोडियम किन परिस्थितियों में केंद्रीय समिति सदस्य गौतम, राज्य समिति सदस्य भास्कर जैसे शीर्ष नक्सली कैडर के संपर्क में आया। इस पूरे मामले की हर पहलू से गंभीर, निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच की जा रही है।

सीसीपीएल की संयुक्त विजेता बनी राजनांदगांव पैंथर्स का सम्मान

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) के सीजन 2 में शानदार प्रदर्शन कर संयुक्त विजेता बनी टीम राजनांदगांव पैंथर्स का आज भव्य सम्मान समारोह होटल राज इंपिरियल राजनंदगांव में संपन्न हुआ । समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव के विधायक डॉ रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे ।

टीम के खिलाडि ?ों का सम्मान करने एवं उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करने विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद श्री संतोष पांडे, महापौर श्री मधुसूदन यादव, समाजसेवी श्री खूबचंद पारख, छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के डायरेक्टर एवं जिला क्रिकेट एसोसिएशन राजनांदगांव के संरक्षक श्री बलदेव सिंह भाटिया , छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा , जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री सचिन बघेल, छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के डायरेक्टर श्री विजय शाह समाजसेवी श्री सुरेश एच. लाल जी भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री कोमल सिंह राजपूत , पूर्व कलेक्टर श्री जीएस मिश्रा , पूर्व विधायक श्री अवधेश चंदेल , समाजसेवी श्री रमेश पटेल, सीपीसीएल के चेयरमैन श्री प्रमोदशंकर शर्मा उपस्थित रहे । समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ एवं जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य, खेल प्रेमी एवं बड़ी संख्या में क्रिकेट खिलाड़ी उपस्थित रहे । समारोह में दक्षिण अफ्रीका में 90 किलोमीटर की अल्ट्रारेस को सफलता पूर्वक पूर्ण करने वाले छत्तीसगढ़ के पहले धावक शहर के उमेश काकिरवार , अंडर-19 में इंडिया टीम में चयनित होने वाले शहर के होनहार क्रिकेट खिलाड़ी विकल्प तिवारी एवं अंडर-19 में पूरे देश से चयनित अंतिम 25 खिलाडि ?ों की सूची में शामिल होने वाली प्रदेश की पहली महिला खिलाड़ी महक नरवासे को भी अतिथियों ने पुरस्कृत कर शुभकामनाएं प्रेषित की । बड़ी संख्या में उपस्थित छोटे-छोटे क्रिकेट खिलाडि ?ों ने अपने बीच राजनांदगांव पैंथर्स टीम के कप्तान एवं पिछले तीन सालों से आईपीएल का हिस्सा रहे शहर के अजय मंडल एवं उनकी पूरी टीम को बधाइयां दी।समारोह को संबोधित करते हुए जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री सुशील कोठारी ने जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यकलापों की जानकारी देते हुए राजनांदगांव शहर में एक अत्याधुनिक क्रिकेट अकादमी की स्थापना की मांग करते हुए यह जानकारी दी की अगर दिग्विजय स्टेडियम का मैदान दुरुस्त कर ख्याति अनुरूप बना लिया जाएगा तो फरवरी 2026 में राजनांदगांव में निश्चित रूप से रणजी ट्रॉफी का आयोजन संपन्न होगा । महापौर श्री मधुसूदन यादव ने राजनांदगांव के खिलाडि ?ों द्वारा भारतीय जुनियर टीम अंडर 19 में चयन होने की बधाई देते हुए जिला क्रिकेट एसोसिएशन के क्रियाकलापों की सराहना की ।

चिरायु योजना से सुरेखा को मिला नया जीवन, स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की जांच

बलरामपुर,(अम्बिकावाणी समाचार)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी चिरायु योजना अंतर्गत जिले में बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान कर उनकी जिंदगी को नई दिशा दी जा रही है। जिले में आयोजित वृहद स्वास्थ्य शिविर के दौरान चिरायु योजना के सकारात्मक परिणाम देखने को मिला। जब सुरेखा जैसी कई बच्चों को पूरी तरह से स्वस्थ की पुष्टि विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा की गई।

विकासखण्ड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत महाराजगंज की सुरेखा जिसके हृदय में जन्म से छेद था, जिसकी जानकारी स्कूल में जिसकी जानकारी स्कूल में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान पता चला। गंभीर समस्या की जानकारी मिलते ही परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग से संपर्क किया। तब उन्हें जानकारी दी गई कि चिरायु योजना अंतर्गत बच्चों का निःशुल्क उपचार किया जाता है। प्रशासन और स्वास्थ्य अधिकारियों की सक्रियता से सुरेखा का सत्य साई अस्पताल में सफल ऑपरेशन किया गया। संपूर्ण चिकित्सा सेवा, दवाइयां चिरायु योजना के अंतर्गत वहन किया गया। जिला प्रशासन एवं दीन-हीन सेवा समिति की संयुक्त प्रयास से आयोजित वृहद स्वास्थ्य शिविर में जब सुरेखा को पुनः जांच के लिए लाया गया तो विशेषज्ञ चिकित्सक ने बताया कि सुरेखा पूर्ण रूप से स्वस्थ है। शिविर में सुरेखा को स्वास्थ्य प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। सुरेखा के पिता कुन्दलेश ने बताया कि सुरेखा के हृदय में छेद की बात पता चली तो वह बहुत ही डर गए थे और आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण सुरेखा को ईलाज हेतु बड़े शहर ले जाना संभव नहीं था। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से उसे रायपुर ले जाया गया, जहां सम्पूर्ण जांच उपरांत दिल में बड़ा छेद होने के कारण सुरेखा को सर्जरी की सलाह दी गई। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से चिरायु योजनांतर्गत सुरेखा का श्री सत्य साईं हॉस्पिटल रायपुर में सफल सर्जरी हुई।, चिरायु योजना से सुरेखा को नवजीवन मिला है। कुन्दलेश ने आगे बताया कि बलरामपुर में आयोजित दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में अपनी बच्ची को पुनः जांच हेतु लेकर आया था जहां सत्य साई अस्पताल से आए विशेषज्ञ चिकित्सक ने मेरी बेटी की जांच कर पूर्ण रूप से स्वस्थ बताया। कुन्दलेश ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग को धन्यवाद देते हुए कहते हैं कि ऑपरेशन से मेरे बच्चे की जिन्दगी बेहतर हुई है अब वह सामान्य बच्चों की तरह खेलकूद जैसे अन्य गतिविधि कर सकती है। कुन्दलेश ने कहा कि चिरायु योजना ने कैसे उनके बच्ची का बचपन लौटा दिया है।

छोटी खबरें

लेमरू में जागरूकता सह लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन

कोरबा अम्बिकावाणी- विकासखण्ड कोरबा अंतर्गत २७ जून को कलस्टर लेमरू में सम्मिलित ग्राम कुटरूवां, अरसेना, सुर्वे, बड़गांव, देवपहरी, कनसरा, जाताडांड, डोकरमना, कुदरीचिंगर, गढ़उपरोड़ा, बहेरा, रांपा, केरीझरिया, अरेतरा, लेमरू, केऊबहार, विमलता, रपता, नकिया के लिए हाई स्कूल लेमरू में जागरूकता सह लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में कुल ११ आधार कार्ड, ०४ आयुष्मान कार्ड ४३ राशनकार्ड नाम जोड़ने व काटने, ८ मनरेगा जॉबकार्ड, ३१ पेंशन, स्वास्थ्य जांच इत्यादि के हितग्राहियों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कर नशा मुक्त भारत अभियान हेतु शपथ भी लिया गया। शिविर में नकिया सरपंच रमिला मंझवार, डोकरमना सरपंच अनिता, अरसेना सरपंच पवन कुमारी, लेमरू सरपंच रजनी सिंह तंवर, बड़गांव सरपंच भुकेश्वर सिंह पैंकरा, विकास विस्तार अधिकारी जनपद पंचायत कोरबा श्रीमती महेश्वरी साव, अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहें। यह अभियान जनजातीय समुदाय के जीवन स्तर को सुधारने और उन्हे मुख्य धारा में शामिल करने व सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में लगाया जा रहा है ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त हो सके।

बुजुर्गों के जन्मदिन को सेलिब्रेट कर रहा महाराष्ट्र मंडल

रायपुर। घर के बुजुर्गों का आशीर्वाद और उनका मार्गदर्शन हमेशा से युवा पीढ़ी के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। महाराष्ट्र मंडल परिवार वर्ष 2018 से वरिष्ठ जनों को उनके जन्मदिन पर घर पहुंचकर सम्मानित करता है। इसमें उनके परिजन भी मंडल का साथ देते हुए जन्मदिन को एंजॉय करते हैं और महाराष्ट्र मंडल को उनका मार्गदर्शन के साथ आशीर्वाद भी मिल जाता है। महाराष्ट्र मंडल के समन्वयक और वरिष्ठजन समिति के प्रमुख श्याम सुंदर खंगन ने बताया कि जून माह में 18 वरिष्ठ सदस्यों का जन्मदिन है। इनमें से 15 के घर पहुंचकर उनका जन्मदिन सेलिब्रेट किया जा चुका है। पिछले आठ वर्षों से हम अपने ऐसे तमामबुजुर्ग सदस्यों का सम्मान कर रहे हैं, जिनकी आयु 80 वर्ष या इससे अधिक है। इस महीने चार जून को सुमन भंडारकर, छह को दत्तात्रय पांडुरंग खरे, नौ जून को कृष्णा मुदलियार, 13 को शरद शेवलीकर और पीए मांडगे, 14 को अरुण गवई, 15 को कौमुदी वैद्य व कर्नल विकास तामस्कर, 16 को एमएल भंडारकर, ज्योत्सना शेवलीकर और अशोक लोणकर, 17 जून को प्रकाश रामकृष्ण शेष, 20 जून को डा. अर्चना आचार्य, 24 को निर्मला कुलकर्णी और 25 को माधवी गिर्हे, गुरुवार को वसंत राहटगांवकर, अरूण श. डबली का उनके निवास स्थान पर जाकर कार्यकारिणी सदस्यों, पदाधिकारियों और महिला केंद्रों की संयोजिकाओं- सह संयोजिकाओं, सभासदों की टीमों ने सम्मान किया। वहीं 29 जून को सुनंदा देशमुख का सम्मान किया जाएगा। खंगन के मुताबिक वरिष्ठ जनों के सम्मान की कड़ी में ही महाराष्ट्र मंडल 15 अगस्त को 'आपुलकी योजनाइ का शुभारंभ किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र मंडल के समता कॉलोनी स्थित दिव्यांग बालिका विकास गृह में अलग से पूरी तैयारियों के साथ में बुजुर्गों के मनोरंजन और समय व्यतीत करने के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके तहत बुजुर्गों के मनोरंजन के लिए टीवी, इंटरनेट, स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं, आध्यात्मिक जरूरतों को पूरा किया जाएगा। इसके अलावा उन्हें इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग के साथ साइबर ठगी को लेकर जागरूक भी किया जाएगा।

छत पर बनाए खुद के बिजलीघर से अनुराग का घर हुआ रोशन

रायपुर। बिलासपुर जिले के बोदरी निवासी श्री अनुराग शर्मा ने अपने घर की छत पर 7 किलोवॉट का सोलर पैनल लगाया है। अब उन्हें बिजली के बिल की फिक्र नहीं करनी पड़ती है। पहले जहां हर माह दो से पांच हजार रूपए का बिजली बिल का भुगतान कर रहे थे, वहीं अब बिलकुल भी बिल नहीं आ रहा है और अतिरिक्त बिजली भी उत्पादित हो रही है। सरकार द्वारा शुरू की गयी पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अनुराग शर्मा जैसे कई लोगों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो रही है। सूर्य की एनर्जी का इस्तेमाल कर लोग घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर इस योजना का लाभ उठा रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य सौर ऊर्जा को घरों तक पहुंचाकर उपभोक्ताओं को आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत सौर ऊर्जा अपनाने वाले नागरिकों को अनुदान प्रदान की जाती है। जिले में इस योजना से कई लोगों को फायदा हुआ है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए श्री अनुराग शर्मा ने बताया कि उन्होंने अपनी छत पर 7 किलोवॉट का सोलर पैनल लगाया है। इसके लिए उन्हें सरकार से 78 हजार की सब्सिडी भी मिली है, इससे उन्हें आर्थिक बचत हो रही है। उन्होंने बताया कि पहले जहां हर माह दो से पांच हजार बिजली बिल देते थे, वहीं अब बिजली बिल क्या होता है हम भूल ही गए हैं। यह बहुत ही अच्छी योजना है सभी को इसका फायदा लेना चाहिए।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना क्या है - इस योजना के अंतर्गत शासन द्वारा शहरी एवं ग्रामीण घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को अपने घरों की छतों पर रूफ टॉप सोलर प्लाण्ट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उक्त स्थापित प्लाण्ट नेट मीटरिंग द्वारा विद्युत ग्रिड से जुड़ेगा जिससे उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई हो जाती है। इससे न केवल उपभोक्ता के घर का बिजली बिल शून्य हो जाता है, बल्कि ग्रिड में दी गई बिजली के एवज में अतिरिक्त आमदनी भी मिल जाती है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है। इस योजना से अधिक आय, कम बिजली बिल और नवीन रोजगारों का सृजन होगा तथा नवीकृत ऊर्जा स्त्रोत के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। शासन द्वारा इस योजना में 30 हजार रुपए से लेकर 78 हजार रुपए तक अनुदान राशि दी जाती है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए उपभोक्ता पीएम सूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट इन वेब पोर्टल अथवा पीएम सूर्यघर एप्प में पंजीयन करा सकता है।

बालको ने अपने प्रचालन में सांख्यिकीय विश्लेषण को किया शामिल, बालको की सफलता के पीछे आंकड़ों की सटीक योजना

कोरबा अम्बिकावाणी। एल्यूमिनियम उत्पादन एक उच्च-सटीकता वाली प्रक्रिया है जो व्यापक रूप से आंकड़ों पर निर्भर करती है। बॉक्साइट की खुदाई से लेकर गुणवत्ता युक्त एल्यूमिनियम उत्पादों की कास्टिंग तक, उत्पादन की हर चरण में मजबूत सांख्यिकीय निगरानी और आंकड़ों का विश्लेषण एक आधारशिला की भूमिका निभाती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर पर बालको मानता है कि आंकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि प्रचालन की गुणवत्ता, स्थिरता और दक्षता को लगातार बेहतर बनाने के साधन हैं। बालको ने अपने सभी प्रचालन में सांख्यिकीय विश्लेषण को शामिल करते हुए रियल टाइम में डेटा मॉनिटरिंग को निर्णय लेने की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाया है। इससे कार्यों से जुड़े मानकों की निगरानी होती है, जिससे संसाधनों का अधिकतम उपयोग, उत्सर्जन में कमी और उत्पादन की गुणवत्ता सुनिश्चित हुई है। धातु उत्पादन में निगरानी के महत्व को बताते हुए बालको के कर्मचारी करिवेदा श्रीकांत ने कहा कि डेटा मॉनिटरिंग मेरे दैनिक कार्य का एक अनिवार्य हिस्सा है। हम स्मेल्टर्स की मिनट-दर-मिनट निगरानी करते हैं ताकि पॉट रूम से होने वाला उत्सर्जन निर्धारित मानकों के भीतर रहे। यह सजगता हमें लगातार उत्सर्जन घटाने में मदद की है, जिससे एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित होता है। बालको में कार्यरत प्रोसेस कंट्रोल प्रमुख अभिषेक पटेल कहते हैं कि पॉट रूम एक जटिल प्रणाली की तरह कार्य करता है। तापमान, वोल्टेज, कच्चे माल का इनपुट और धातु की शुद्धता जैसे महत्वपूर्ण मानकों की लगातार निगरानी करना आवश्यक है। यह हमें तकनीकी स्थिरता बनाए रखने और उच्च गुणवत्ता के साथ अधिकतम उत्पादन सुनिश्चित करने में मदद करता है।

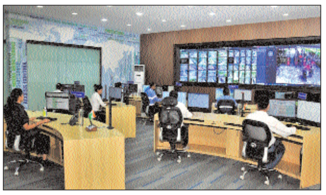

डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रचालन को सरल बनाने की भूमिका पर चर्चा करते हुए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, प्रमुख श्री नवदीप अग्रवाल ने बताया कि डेटा इंटीग्रेशन ने हमारे कार्य के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। रियल-टाइम एनालिटिक्स और प्रीडिक्टिव मेंटेनेंस की मदद से हमने न केवल फैसले लेने की गति बढ़ाई है, बल्कि मशीनों के ठप होने का समय भी घटाया है तथा उत्पादकता को बेहतर किया है। इससे बाजार की मांगों के प्रति हमारी प्रतिक्रिया भी अधिक सटीक और तेज बनी है। निरंतर नवाचार और रणनीतिक आंकड़ों के उपयोग के माध्यम से बालको ने अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम किया है साथ ही उत्पादन की गुणवत्ता और दक्षता को भी बेहतर बनाया है। सांख्यिकीय विश्लेषण से प्राप्त सूचनाएं नीतिगत निर्णयों को दिशा देती हैं, जिससे अनुपालन, दक्षता और गुणवत्ता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचना संभव हो रहा है। यह सब एक मजबूत निगरानी प्रणाली पर आधारित है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर पर बालको यह दोहराता है कि संख्याएं केवल रिकॉर्ड नहीं बल्कि सशक्त साधन हैं, जो संगठन को च्शून्य हानिज्, उत्कृष्ट संचालन और एक सतत राष्ट्र निर्माण की दिशा में अपने विजन को साकार करने में सक्षम बनाती हैं।

जिले में उर्वरक और बीज का भंडारण लक्ष्यानुसार सुनिश्चित

11,552 किसानों ने समितियों से उठाव कर किया खेती में उपयोग

कोरिया - कोरिया जिले की सहकारी समितियों में खरीफ सीजन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शासन के लक्ष्यानुसार उर्वरक एवं बीज का पर्याप्त भंडारण किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, अब तक ११,५५२ किसानों ने समितियों से उर्वरक प्राप्त कर खेती में उपयोग किया है, वहीं बीज भंडारण भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिसका किसानों द्वारा निरंतर उठाव किया जा रहा है। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष आज की तारीख तक उर्वरक भंडारण की मात्रा लगभग समान रही है।

* **डीएपी की विकल्प के रूप में सुझाव** - जिले में कृषि विभाग ने किसानों के लिए उपयोगी विकल्प सुझाए हैं, जिससे कृषि कार्य बाधित न हो। डीएपी के स्थान पर किसान अन्य उर्वरक संयोजन का उपयोग कर सकते हैं, एनपीके १२:३२:१६, डीएपी २०:२०:०:१३ या १.५ बोरी यूरिया + २ बोरी सुपर फॉस्फेट विशेषज्ञों के अनुसार, इन संयोजनों से फसलों को आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त होते हैं और उत्पादन प्रभावित नहीं होता।

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा धान फसल के लिए फसल अवधि के अनुसार नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश और अन्य पोषक तत्वों की संतुलित सिफारिशी मात्रा निर्धारित की गई है, जिसे किसानों को अपनाने की सलाह दी गई है। जल्दी पकने वाली देशी किस्मों के लिए लगभग २४ किग्रा नाइट्रोजन, मध्यम अवधि (१२६-१४० दिन) की किस्मों के लिए ४० किग्रा नाइट्रोजन, लंबी अवधि (१४१ दिन से अधिक) और संकर किस्मों के लिए इससे अधिक मात्रा सिफारिश की गई है। इन पोषक तत्वों को अलग- अलग खादों जैसे यूरिया, सुपर फॉस्फेट और एनपीके के माध्यम से संतुलित तरीके से देने की सलाह दी गई है।

* **किसानों से अपील** -उप संचालक कृषि श्री राजेश भारती ने किसानों से आग्रह किया है कि वे केवल शासन द्वारा पंजीकृत सहकारी समितियों से ही उर्वरक व बीज की खरीदी करें और संबंधित संस्था से पक्की रसीद अवश्य प्राप्त करें।

डाटा साइंस और ए.आई. का अध्ययन, आज की आवश्यकता-: डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर के शिक्षाविभाग एवं कंप्यूटर विभाग द्वारा श्शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समावेशश विषय पर दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस विप्र महाविद्यालय और शासकीय के. आर डी महाविद्यालय नवागढ़ बेमेतरा, महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय रायपुर एवं वीतराग रिसर्च फाउंडेशन के संयुक्त तत्त्वावधान में आज से प्रारंभ हुआ। उदघाटन समारोह मुख्य अतिथि डा. सच्चिदानंद शुक्ला (कुलपति ,पं. रविशंकर शुक्ल वि. वि. रायपुर की गरिमामय उपस्थिति एवं ज्ञानेश शर्मा (अध्यक्ष विप्र शिक्षण समिति)की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रो.. गिरीशकांत पाण्डेय(शासकीय के. आर .डी .महाविद्यालय नवागढ़, बेमेतरा) एवं प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी (महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय रायपुर) भी उपस्थित रहे। उदघाटन समारोह को संबोधित करते हुए डॉ .सच्चिदानंद शुक्ल ने कहा कि डाटा साइंस और ए आई का अध्ययन भविष्य की आवश्यकता है। इसी बात को ध्यान में रखकर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में इस वर्ष से डाटा साइंस मे एम.एस.सी. प्रारंभ करने का प्रयास किया जा रहा है। ए आई आज का विषय नहीं है, सन 1845 में बूलीनय अलजेब्रा का आविष्कार के साथ इसका प्रारंभ हो गया था। आज बायो ट्रांजिस्टर पर सफलतापूर्वक शोध के बाद चिकित्सा के क्षेत्र में आने वाले वर्षों में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिलेगा। इसी प्रकार हर क्षेत्र में ए. आई. का दखल रहेगा और आने वाले 10 वर्ष में होने वाले बदलाव के लिए हमारे विद्यार्थियों और शिक्षकों को तैयार रहना चाहिए। इसलिए इस प्रकार के विषय पर सेमिनार और शोध महत्वपूर्ण होता है। इस अवसर पर ज्ञानेश शर्मा, डॉ. गिरीश कांत पांडे एवं डॉ. देवाशीष मुखर्जी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सेमिनार की उपयोगिता को वर्तमान समय के लिए आवश्यक और महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर सत्र 2024 -25 में दानदाताओं और शहीदों की स्मृति में प्रावीणय सम्मान समारोह के अंतर्गत प्रावीणनता के आधार पर चयनित विद्यार्थियों का सम्मान मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। डॉ. बालकृष्ण शर्मा सर्वश्रेष्ठ छात्रा सम्मान एम.पी. एड. के मनोज प्रधान को प्रदान किया गया। मनोज प्रधान ने विश्वविद्यालय मेरिट में पांचवा स्थान प्राप्त किया। शहीद राजीव पांडे सम्मान बी.एड. के प्रवीण साहू को मेरिट में आठवा स्थान आने पर प्रदान किया गया। शहीद भास्कर दीवान सम्मान वाणिज्य संकाय के विदिशा चौरसिया को प्रदान किया गया ।अभिषेक तिवारी खिलाड़ी सम्मान ऑल इंडिया लेवल पर सॉफ्टबॉल में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले नीलम नंदेश्वर को प्रदान किया गया।

उचित मूल्य दुकान के संचालन हेतु आवेदन 04 जुलाई तक आमंत्रित

कोरबा अम्बिकावाणी - छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश - २०१६ के खण्ड-९ में उपबंधित निर्बन्धनों एवं शर्तों के अधीन एवं रिक्तता के आधार पर विकासखण्ड पाली क्षेत्रांतर्गत, ग्राम पंचायत - जेमरा, सेन्द्रीपाली, परसदा, अण्डीकछार, कोरबी, बारीउमराव, मुंगाडीह एवं कर्रानवापारा की शासकीय उचित मूल्य दुकानों को नवीन संचालक संस्था को आबंटित किए जाने हेतु कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०), पाली, जिला कोरबा स्तर से ईश्तहार प्रकाशित किया गया है, जिस हेतु राज्य शासन द्वारा अधिकृत एजेंसियों- वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्प्स), ग्राम पंचायत, महिला स्व सहायता समूह, वन सुरक्षा समितियॉ, अन्य सहकारी समितियॉ, जो छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनिम -१९६० अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारिता अधिनियम -१९९९ के तहत पंजीकृत हो, के माध्यम से आवेदन आमंत्रित कराया गया है। उक्त कार्यक्षेत्र हेतु पंजीकृत व शासन द्वारा अधिकृत ईच्छुक संस्थाओं के द्वारा कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी, पाली, जिला कोरबा समक्ष ०४ जुलाई २०२५ तक कार्यालयीन समयावधि में जारी ईश्तहार १८ जून २०२५ में उल्लेखित अनुसार आवेदन सह दस्तावेज प्रस्तुत किया जा सकता है। ०४ जुलाई २०२५ के पश्चात प्रस्तुत आवेदनों पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रदेश में अवैध अप्रवासियों की सूचना के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर हुआ जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य की आंतरिक सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने तथा अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देश पर पुलिस विभाग द्वारा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-233-1905 जारी किया गया है, जो सप्ताह के सभी दिनों में 24 घंटे सक्रिय रहेगा। इस हेल्पलाइन के माध्यम से राज्य के किसी भी कोने से नागरिक अपने क्षेत्र में मौजूद संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों अथवा उनकी गतिविधियों की सूचना सीधे पुलिस प्रशासन को दे सकते हैं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा, जिससे कोई भी नागरिक बिना किसी डर या संकोच के राष्ट्रहित में प्रशासन के साथ सहयोग कर सके। किसी नागरिक को अपने आसपास किसी संदिग्ध या अवैध अप्रवासी की मौजूदगी की आशंका हो, तो वह अब इस टोल फ्री नंबर पर निःशुल्क कॉल करके पुलिस को सूचना दे सकता है।

यह पहल केवल सूचना देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता को सशक्त करने की दिशा में एक जनभागीदारी आधारित प्रयास है। अक्सर अवैध अप्रवासी पहचान के अभाव में आपराधिक या असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाते हैं, जिससे स्थानीय शांति व्यवस्था बाधित होती है।

श्री बालाजी विद्या मंदिर में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन

रायपुर। श्री बालाजी विद्या मंदिर में आज शाला प्रवेश उत्सव बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। यह आयोजन नन्हें बच्चों के शैक्षणिक जीवन के नए अध्याय की शुरूआत का प्रतीक रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर उत्तर विधानसभा के माननीय विधायक श्री पुरंदर मिश्रा जी रहे। उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक कर, पुष्प वर्षा कर आत्मीय स्वागत किया एवं सभी बच्चों को छाते वितरित किए। साथ ही उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन से हुई। तत्पश्चात विद्यालय परिवार द्वारा सभी बच्चों का पुष्पगुच्छ एवं मिठाइयों से अभिनंदन किया गया।साथ ही विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कक्षाओं, पुस्तकालय, शौचालय, पेयजल व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुधारों हेतु सुझाव भी दिए।

कोनकोना गौठान में अवैध रेत डंपिंग का मामला -

प्रशासन की जांच से पहले रेत माफियाओं ने हटाई रेती, एसडीएम बोले- दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले के कोनकोना गौठान में अवैध रेत डंपिंग को लेकर दैनिक अम्बिकावाणी में प्रकाशित खबर के बाद प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लिया है। पौड़ी उपरोड़ा एसडीएम तुलाराम भारद्वाज ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार को तत्काल मौके पर भेजा, लेकिन जांच टीम के पहुंचने से पहले ही माफियाओं ने पूरी रेती हटवा दी थी। सूत्रों के अनुसार, जेसीबी और ट्रेलरों की मदद से अवैध रेत को रातों-रात कहीं और खपा दिया गया। जांच के दौरान केवल खाली जमीन मिली, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि माफियाओं को जांच की पूर्व जानकारी मिल गई थी। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। एसडीएम तुलाराम भारद्वाज ने कहा, प्रशासन अवैध रेत डंपिंग के

कलेक्टर के सख्त निर्देशों की खुली उड़ रही धज्जियां, तान नदी से बेखौफ हो रहा अवैध रेत उत्खनन- प्रशासन बना मौनदर्शक

मामलों को लेकर पूरी तरह सजग है। संबंधित स्थान पर रेत नहीं मिलने के बावजूद जांच जारी है। वाहन स्वामियों और संलिप्त मशीनों की पहचान की जा रही है। दोषियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कोनकोना गौठान में लंबे समय से रेत डंप किया जा रहा है, लेकिन कार्रवाई केवल औपचारिक बनकर रह गई है। वहीं विभागीय सूत्रों का दावा है कि यदि प्रशासन जेसीबी मशीनों, ट्रेलरों और ट्रैक्टरों की आवाजाही की जांच करे, तो दोषियों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि जिले में कलेक्टर के स्पष्ट निदेर्शों के बावजूद तान नदी सहित अन्य क्षेत्रों में अवैध रेत खनन बेरोक-टोक जारी है। माफियाओं की हिम्मत इतनी बढ़ गई है कि वे खुलेआम कानून की अनदेखी कर शासन को करोड़ों का नुकसान पहुंचा रहे हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस बार केवल खानापूर्ति करता है या दोषियों पर ठोस और प्रभावशाली कार्रवाई करता है। जनता को सख्त कदम की प्रतीक्षा है।

फ्रांस की सरकारी यूनिवर्सिटीज, जहां अंग्रेजी में पढ़ सकते हैं स्टूडेंट्स

फ्रांस में कोई भी इंग्लिश यूनिवर्सिटी नहीं है, लेकिन वहां कई बेहतरीन फ्रेंच यूनिवर्सिटी हैं। इन यूनिवर्सिटीज में इंग्लिश में पढ़ाया जाता है। यही वजह है कि फ्रांस आजकल इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के लिए एक बड़ा सेंटर बन गया है। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में फ्रांस के चार इंस्टीट्यूट टॉप 100 में शामिल हैं। यहां पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप भी मिलती है। इससे फ्रांस में पढ़ाई करना सस्ता हो जाता है। आइए फ्रांस की टॉप 5 यूनिवर्सिटी के बारे में जानते हैं, जहां इंग्लिश में पढ़ाई होती है।

यूनिवर्सिटी PSL

यूनिवर्सिटी PSL पेरिस में है। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 के अनुसार, ये फ्रांस की नंबर वन यूनिवर्सिटी है। यहां रिसर्च पर ध्यान दिया जाता है। यहां हर स्टूडेंट को गाइड करने के लिए टीचर मौजूद रहते हैं। क्लास में स्टूडेंट्स की संख्या भी कम होती है। इससे हर स्टूडेंट पर ध्यान दिया जा सकता है। सबसे अच्छी बात ये है कि क्लासरूमें हर पांच में से एक स्टूडेंट विदेश से आता है, इसलिए PSL बेस्ट इंग्लिश यूनिवर्सिटी इन फ्रांस में से एक है।

इकोले पॉलीटेक्निक

इकोले पॉलीटेक्निक फ्रांस के रक्षा मंत्रालय के अंडर में आने वाला एक बड़ा इंस्टीट्यूट है। यह इंस्टीट्यूट पॉलीटेक्निक डी पेरिस का हिस्सा है। यह एक पब्लिक हायर एजुकेशन और रिसर्च इंस्टीट्यूट है। यहां नेशनल मिलिट्री से जुड़े स्कूल में पढ़ने का मौका मिलता है। यहां 40% से ज्यादा स्टूडेंट्स इंटरनेशनल हैं। इसलिए पढ़ाई के लिए इकोले पॉलीटेक्निक बहुत अच्छी जगह है।

यूनिवर्सिटी पेरिस सिटे

यूनिवर्सिटी पेरिस सिटे 2018 में पेरिस डिडेरोट, पेरिस डेस्कार्टेस और इंस्टीट्यूट डी फिजिक डु ग्लोब डी पेरिस को मिलाकर बनाई गई थी। ये फ्रांस की सबसे बड़ी मल्टीडिसिप्लिनरी यूनिवर्सिटी है। यहां आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज, लैंग्वेज, इकोनॉमिक्स, सोशल साइंस, साइंस, टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, डेंटिस्ट्री, फार्मेसी और नर्सिंग जैसे फील्ड में नए और आधुनिक कोर्स कराए जाते हैं। मल्टीडिसिप्लिनरी का मतलब है कि यहां कई तरह के सब्जेक्ट पढ़ाए जाते हैं।

सोर्बोन यूनिवर्सिटी

सोर्बोन यूनिवर्सिटी पेरिस के बीच में स्थित है। ये एक मल्टीडिसिप्लिनरी, रिसर्च-इंटेंसिव और वर्ल्ड-क्लास इंस्टीट्यूट है। दूसरी पब्लिक यूनिवर्सिटी की तरह, यहां भी इंग्लिश में प्रोग्राम कराए जाते हैं। इंटरनेशनल स्टूडेंट्स का यहां स्वागत किया जाता है। बडी सिस्टम नाम का एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। इस प्लेटफॉर्म पर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स को लोकल स्टूडेंट्स के साथ जोड़ा जाता है। लोकल स्टूडेंट्स को बडी कहा जाता है।

करें फूलों का व्यवसाय और बनें मालामाल

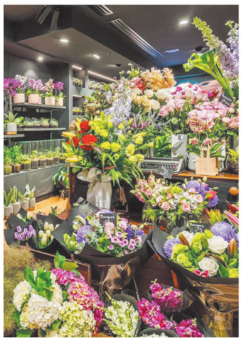

भारत में फूलों की खेती एक लंबे अरसे से होती रही है, लेकिन आर्थिक रूप से लाभदायक एक व्यवसाय के रूप में फूलों का उत्पादन पिछले कुछ सालों से ही प्रारंभ हुआ है। समकालिक फूल जैसे गुलाब, कमल ग्लैडियोलस, रजनीगंधा, कार्नेशन आदि के बढ़ते उत्पादन के कारण गुलदस्ते और उपहारों के स्वरूप देने में इनका उपयोग काफी बढ़ा है। फूल को मनुष्य के द्वारा सजावट और औषधि के लिए उपयोग में लाया जाता है। इसके अलावा घरों और कार्यालयों को सजाने में भी इनका उपयोग बहुतायत से होता है। मध्यम वर्ग के जीवनस्तर में सुधार और आर्थिक संपन्नता के कारण पुष्प बाजार के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया और फूलों की खेती को एक विशाल बाजार का स्वरूप प्रदान कर दिया है। भारत ने पुष्प उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति की है।

फूलों की खेती की संभावनाएं

भारतीय फूल उद्योग में गुलाब, रजनीगंधा, ग्लेड्स, एंथुरियम, कार्नेशन, गेंदा आदि फूल शामिल है। फूलों की खेती अत्याधुनिक पाली और ग्रीनहाउस दोनों में की जाती है। व्यावहारिक विविधीकरण की दृष्टि से पुष्पों की खेती का महत्व दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। यद्यपि पुष्पों को उगाने की कला भारत के लिए नई नहीं है तथापि, बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक स्तर पर इनकी खेती तथा पॉली हाउसों में इनकी संरक्षित खेती भारत में अपेक्षाकृत नयी है। विपुल आनुवंशिक विविधता, विभिन्न प्रकार की कृषि जलवायु संबंधी परिस्थितियों बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न मानव संसाधन के कारण भारत में इस क्षेत्र में विविधीकरण के नए मार्ग प्रशस्त हैं जिनका अभी तक पर्याप्त रूप से दोहन नहीं हुआ है। विश्व व्यापार संगठन के युग में विश्व बाजार के खुल जाने के कारण पुष्पों तथा पुष्पोत्पादों का विश्व भर में स्वतंत्र रूप से आवागमन संभव है। इस संदर्भ में प्रत्येक देश को प्रत्येक देश की सीमा में व्यापार करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं।

विश्व स्तर पर 140 से अधिक देश पुष्पों की फसलों की खेती में लगे हुए हैं। विभिन्न देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका पुष्पों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। जहां प्रति वर्ष 10 बिलयन डॉलर से अधिक के पुष्पों की खपत होती है। इसके बाद उपभोग के मामले में जापान का स्थान है जहां प्रति वर्ष 7 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के पुष्पों की खपत होती है। भारत का भविष्य में बेहतर स्कोप है क्योंकि उष्णकटिबंधीय पुष्पों की ओर लोगों का रुझान बढ़ रहा है और भारत जैसे देश द्वारा इसका लाभ उठाया जा सकता है क्योंकि हमारे यहां देशी वनस्पति जगत में उच्च स्तर की विविधता उपलब्ध है। पुष्प हमारे देश के समाज में गहराई से जुड़े हुए हैं और इनके बिना कोई भी समारोह पूर्ण नहीं होता है। हमारा घरेलू उद्योग प्रतिवर्ष 7-10 प्रतिशत वार्षिक की दर से बढ़ रहा है।

फूलों की किस्में

पुष्पकृषि उत्पादों में मुख्यतया खुले पुष्प, पॉट प्लांट, कट फ़ोइलेज, सीड्स बल्बस, कंद, रुटेड़ कटिंग्स और सूखे फूल व पत्तियां सम्मिलित है। प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पुष्पकृषि में खुले गुलाब के फूलों का व्यापार, लाली, गुलदाउदी, गारगेरा, ग्लेडियोलस, जाइसोफिला, लायस्ट्रिस, नेरिन, आर्किड, अर्किलिया, अन्थुरियम, ट्यूलिप और लिलि है। गारब्रेरास, गुलनार आदि फूलों की खेती ग्रीन हाउस (हरित गृह) में की जाती है। खुले खेतो में उगाई जाने वाली फसल गुलदाउदी, गुलाब, गेल्लारड़िया, लिलि, मेरीगोल्ड, तारा, कंदाकार प्रमुख है। फूलों में रैनन क्लाउज, स्वीट, विलियम, डेहलिया, लुपिन, वेरबना, कासमांस आदि के फूल लगा सकते हैं। इसके अलावा गुलाब की प्रजातियों में चाइना मैन, मेट्रोकोनिया फर्स्ट प्राइज, आइसबर्ग और ओक्लाहोमा जैसी नई विविधताएं हैं, जो शर्तिया कमाई देती हैं। इसके साथ-साथ मोगरा, रात की रानी, मोतिया, जूही आदि झाडियों के अलावा साइप्रस चाइना जैसे छोटे-छोटे पेड़ लगा कर अच्छी कमाई की जा सकती है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडू, राजस्थान, पश्चिम बंगाल आदि प्रमुख पुष्पकृषि केंद्र के रूप में उभरे है।

भारत में फूलों की खेती एक लंबे अरसे से होती रही है, लेकिन आर्थिक रूप से लाभदायक एक व्यवसाय के रूप में फूलों का उत्पादन पिछले कुछ सालों से ही प्रारंभ हुआ है

कैरियर की संभावनाएं

नर्सरी खोल कर स्वरोजगार करें तो अच्छी कमाई हो सकती है। इसके अलावा, फ्लोरल डिजाइनर, लैंडस्केप डिजाइनर, फ्लोरीकल्चर थेरैपिस्ट, ग्राउंडकीपर्स प्लांटेशन ऐक्सपर्ट के अलावा पीएचडी कर के देश की किसी भी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में बतौर लेक्चरर नियुक्त हो सकते हैं। फ्लोरीकल्चर हॉर्टिकल्चर की एक शाखा है, जिसमें फूलों की पैदावार, मार्केटिंग, कॉस्मेटिक और परफ्यूम इंडस्ट्री के अलावा फार्मास्यूटिकल आदि शामिल हैं।

योग्यता

जो युवा इस क्षेत्र में अपना भाग्य आजमाने चाहते हैं, उनके लिए अनुभव बेहद जरूरी है। सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री जैसे कोर्स के लिए 10+2 में बायोलॉजी, फिजिक्स, कैमिस्ट्री के साथ पास होना जरूरी है, लेकिन मास्टर्स डिग्री के लिए एग्रीकल्चर में बैचलर डिग्री जरूरी है। मास्टर्स डिग्री के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च द्वारा ऑल इंडिया एंट्रेंस टैस्ट परीक्षा ली जाती है। गौरतलब है कि किसी भी यूनिवर्सिटी में फ्लोरीकल्चर (ऑनर्स) की पढ़ाई नहीं करवाई जाती, बल्कि बीएससी (एग्रीकल्चर) में एक विषय के तौर पर फ्लोरीकल्चर पढ़ाया जाता है। इस काम के लिए सवा बीघा जमीन काफी है, लेकिन जमीन पांच बीघा हो तो वारे-न्यारे हैं। इसे एक नर्सरी के तौर पर खोला जाए।

आमदनी

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूक किसान यदि एक हेक्टेयर गेंदा के फूल लगाते हैं तो वे वार्षिक आमदनी 1 से 2 लाख रुपए तक बढ़ा सकते हैं। इतने ही क्षेत्र में गुलाब की खेती करते हैं तो दोगुनी तथा गुलदाउदी की फसल से तकरीबन 7 लाख रुपए तक कमा सकते हैं।

कहां बेचे

दिल्ली में फूलों की सबसे बड़ी मंडी है। इस मंडी में देश-विदेश के फूल व्यापारी खरीद-फरोख्त करते हैं। लगभग सौ कंपनियां फूल उत्पादन व उनके व्यापार में 2500 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश कर चुकी हैं। इन कंपनियों के एजेंट हर जगह उपलब्ध हैं। आप अपने खेतों में उत्पन्न फूलों को बेचने के लिए इनसे संपर्क कर सकते हैं। फूल सजावट के काम आते हैं। इससे माला, गजरा, सुगंधित तेल, गुलाब जल, गुलदस्ता, परफ्यूम आदि बनाए जाते हैं। उपरोक्त कार्य के अलावा पुष्प उत्पादक किसानों से आप थोक भाव में फूल खरीद कर मंडी में पहुंचा सकते हैं। विदेशों को निर्यात कर सकते हैं। मंडियों से खरीद कर कस्बों में वितरण कर सकते हैं। लाभ के लिए फूल व्यवसाय उत्तम है।

प्रमुख जुड़े संस्थान

इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीटयूट, नई दिल्लीआनंद एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी आनंद, गुजरातजीबी पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर, उत्तराखंडपंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाबइलाहाबाद एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, इलाहाबादबनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, इंस्टीटयूट ऑफ एग्रीकल्चर साइंस फैकल्टी, वाराणसी, उत्तर प्रदेशहिसार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, हिसार, हरियाणा

कॉर्पोरेट लॉ में बनाएं करियर

कानून के क्षेत्र में लोगों को अब खूब नौकरियां मिल रही हैं। देश में अदालतें बेशक कम हों लेकिन मुकद्दमों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है इसीलिए दिन-ब-दिन वकीलों की मांग भी बढ़ रही है

कानून के क्षेत्र में लोगों को अब खूब नौकरियां मिल रही हैं। देश में अदालतें बेशक कम हों लेकिन मुकद्दमों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है इसीलिए दिन-ब-दिन वकीलों की मांग भी बढ़ रही है। देश का कानून इतना व्यापक है कि स्पैशलाइजेशन की जरूरत बढ़ जाती है, बिल्कुल मेडीकल फील्ड की तरह। आप अपनी रुचि के अनुसार किसी विशेष क्षेत्र के कानून के विशेषज्ञ के रूप में पहचान बना सकते हैं। यह क्षेत्र एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ, कॉन्सटिट्यूशन लॉ, फैमिली लॉ, इंटरनंशनल लॉ, साइबर लॉ, लेबर लॉ, पेटैंट लॉ, एन्वायरनमेंट लॉ, कार्पोरेट लॉ आदि में से कुछ भी हो सकता है।

कैसे बनें कार्पोरेट लॉयर

यह लीगल फील्ड का उभरता स्वरूप है। बड़े बिजनेस हाऊसेज और सरकारी विभागों को भी कई जटिल कानूनी मामलों का सामना करना पड़ता है। इन्हें हल करने के लिए कार्पोरेट लॉयर्स की मांग बड़ी तेजी से बढ़ रही है। इनका काम कम्पनी के संचालन में कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित करना कम्पनी से जुड़े मुकद्दमों की पैरवी करना, कम्पनी के लिए कॉन्ट्रैक्ट्स तैयार करना आदि होता है। कार्पोरेट कम्पनियों में मिलने वाले आकर्षक वेतन के चलते युवा इस तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

समय से आगे चलने और दुनियां की भीड़ से कुछ अलग कर गुजरने की हिम्मत किसी-किसी में होती है। वैश्वीकरण के फलस्वरूप बाजार की वृहत्ता में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियां एक साथ काम कर रही हैं जिनको प्राधिकृत करने के लिए सरकार ने नियमों की रचना की है। इसमें से कुछ नियम सरकार द्वारा तथा कुछ कम्पनियों द्वारा खुद ही तय किए जाते हैं। सरकारी नियमों के अलावा कम्पनियां कर्मियों, ग्राहकों या सहयोगियों के लिए अपने भी नियम बनती हैं। ऐसे ही नियमों की गुत्थियों को समझने और उनकी प्राथमिकताओं को पूरा करने का भार कार्पोरेट लॉ के जानकारों का होता है। कार्पोरेट लॉ फर्म अपने ग्राहक की टेक्स प्लानिंग से लेकर, कर्मियों, सहयोगियों, शेयरधारकों यहां तक कि किरायों और समझौतों की संपूर्ण रूपरेखा बनाते हैं। कार्पोरेट लॉ फर्म किसी भी कंपनी की रीढ़ होती है, जिसके द्वारा किए गए काम से ही कंपनी की वार्षिक आमदनी और उपलब्धियों का आकलन किया जाता है। नियमों में पारदर्शिता और स्थिरता कंपनी का भविष्य तय करती है।

कार्पोरेट लॉ का कार्यक्षेत्र

- कम्पनी के टैक्सों का आकलन और निष्पादन
- नए संस्थानों के गठन की संरचना
- लाइसेंस समझौता बनाना
- बौद्धिक संपत्तियों को संरक्षित करना
- शेयरधारकों के लिए नियम बनाना
- विक्रय तथा वितरक समझौते की रूप-रेखा तैयार करना
- ट्रेड मार्क और कॉपीराइट नियमों का निष्पादन करना
- कर्मियों के लिए कम्पनी अधिनियमों के अनुरूप नियम बनाना
- नए व्यवसायों के लिए लाभ हानि की सलाह देना आदि।

कैसे मिलेगा प्रवेश

दसवीं के बाद लॉ की पढ़ाई शुरू की जा सकती है। कई यूनिवर्सिटीज और प्राइवेट कॉलेजों में पांच वर्षीय बी.ए. एल.एल.बी. कोर्स कराया जाता है। अगर आप ग्रेजुएट हैं, तो 3 वर्षीय एल.एल.बी. कोर्स के बाद इस क्षेत्र में करियर शुरू कर सकते हैं। एंट्रेंस एग्जाम में बैठने के लिए दसवीं में कम से कम 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए। देश के विभिन्न नैशनल लॉ स्कूल्स में एडमिशन कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सी.एल.ए.टी.) के माध्यम से होता है। अन्य संस्थान लॉ कोर्सेज के लिए अलग-अलग एंट्रेंस एग्जाम्स आयोजित करते हैं। कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट में आमतौर पर इंगलिश, लॉजिकल रीजनिंग, लीगल रीजनिंग, मैथमैटिक्स और जनरल नॉलेज से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। अगर आप विदेश जाकर लॉ की पढ़ाई करना चाहते हैं तो वहां एडमिशन की प्रक्रिया अलग हो सकती है।

विक्की कौशल ने लव एंड वॉर में आलिया-रणबीर के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

फिल्म लव एंड वॉर में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म पर काम चल रहा है। दमदार सितारों से सजी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। हाल ही में विक्की कौशल ने फिल्म में रणबीर-आलिया के साथ काम करने का अनुभव बताया। जानिए

रणबीर और आलिया के साथ दूसरी बार काम कर रहे विक्की

विक्की कौशल, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ दूसरी बार स्क्रीन शेयर कर रहे हैं। इससे पहले विक्की कौशल ने जहां आलिया के साथ राजी में काम किया। फिल्म संजू में वे रणबीर कपूर के साथ काम कर चुके हैं। विक्की कौशल ने आलिया और रणबीर के साथ काम करने का अनुभव शेयर करते हुए दोनों की जमकर तारीफ की। बातचीत में विक्की ने अपनी आगामी फिल्म, स्टारडम और निजी जिंदगी पर बात की।

दोनों बहुत शानदार इंसान हैं

रणबीर और आलिया के बारे में बात करते हुए विक्की ने कहा, वे दोनों कमाल हैं। लेकिन इससे भी ज्यादा मुझे रणबीर और आलिया के बारे में जो बात पसंद है, वह यह है कि वे शानदार इंसान हैं। मैंने उनके साथ संजू और राजी में काम किया है और यह उन दोनों के साथ काम करने का दूसरा मौका है। यही बात इसे मजेदार और आसान बनाती है। विक्की ने लव एंड वॉर में संजय लीला भंसाली के साथ काम करने का अनुभव बताते हुए कहा, वे एक बच्चे की तरह हैं, जो हर चीज के बारे में जिज्ञासु हैं। जो अभिनेता, कंटेंट, कैमरा, सेट और हर चीज के साथ गहराई से जानना और बारीकी से एक्सप्लोर करना चाहता है, वह हमेशा ऐसा ही सोचते हैं कि मैं और क्या कर सकता हूं, और किन तरीकों से मैं इसे जादुई, नया, सिनेमैटिक बना सकता हूं। मेरे लिए उन्हें देखना, उनके साथ रहना एक सीखने वाला अनुभव है।

कब रिलीज होगी फिल्म

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है फिल्म लव एंड वॉर एक लव स्टोरी फिल्म है। भंसाली इससे पहले रणबीर के साथ फिल्म सावरिया में काम कर चुके हैं। बात करें फिल्म लव एंड वॉर की रिलीज की तो यह साल 2026 में ईद पर दस्तक देगी।

द फैमिली मैन 3 मे निमरत कौर की एंट्री

अभिनेता मनोज बाजपेयी की आगामी सीरीज द फैमिली मैन के अगले सीजन का पहला लुक बीते दिनों जारी हुआ। आज शुक्रवार को इसका एनाउंसमेंट वीडियो जारी हुआ है। मनोज बाजपेयी रिलेशनशिप काउंसलर बने नजर आए हैं। उनके अलावा निमरत कौर और जयदीप अहलावत की झलक भी वीडियो में है।

कब आएगी सीरीज?

आज शुक्रवार 27 जून को प्राइम वीडियो के यूट्यूब चैनल से एनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया गया है। लोकप्रिय सीरीज का यह तीसरा सीजन है। इसका पहला सीजन 2019 और दूसरा, 2021 में आया था और दर्शकों के बीच खूब लोकप्रिय रहा। इस बार कास्ट में जयदीप अहलावत और निमरत कौर की एंट्री हुई है। सीरीज का तीसरा सीजन इसी साल रिलीज होगा। हालांकि, डेट का खुलासा अभी नहीं हुआ है।

जयदीप की एंट्री से उत्साहित दर्शक

इस सीरीज को राज और डीके की जोड़ी ने अपने बैनर के तहत बनाया है। मनोज बाजपेयी श्रीकांत तिवारी के रोल में वापसी कर रहे हैं। एक तरफ वे अंडरकवर जासूस की जिम्मेदारियां निभाते हैं, दूसरी तरफ एक मिडिल क्लास फैमिली में पिता और पति का फर्ज पूरा करते हैं। सीरीज का नया सीजन राज-डीके और सुमन कुमार ने मिलकर लिखा है, जबकि डायलॉग्स सुमित अरोड़ा ने दिए हैं। तीसरे पार्ट के एलान पर नेटिजन्स खुश हैं। जयदीप अहलावत की एंट्री ने सीरीज के प्रति दिलचस्पी बढ़ा दी है।

दो दुश्मनों से होगी श्रीकांत तिवारी की टक्कर

सीरीज का निर्देशन राज और डीके कर रहे हैं। इस बार उनके साथ सुमन कुमार और तुषार सेठ भी डायरेक्शन में जुड़े हैं। इस बार श्रीकांत तिवारी का टकराव दो दुश्मनों- जयदीप अहलावत और निमरत कौर से होगा। पहले के मुख्य किरदार भी सीरीज का हिस्सा हैं, जैसे प्रियामणि (सुचित्रा तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), अलेशा ठाकुर (धृति तिवारी) और वेदांत सिन्हा (अथर्व तिवारी) आदि।

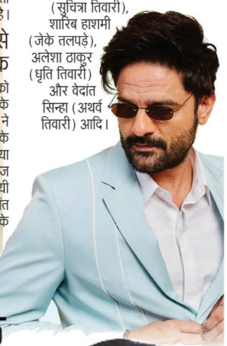

ऑस्कर अकादमी में शामिल होंगे कमल हासन और आयुष्मान खुराना

भारतीय सिनेमा के लिए ये हफ्ता गौरव से भरा रहा है। दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अपने दमदार अभिनय से हर किसी का दिल जीतने वाले आयुष्मान खुराना को हॉलीवुड की सबसे प्रतिष्ठित संस्था 'अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' यानी ऑस्कर अकादमी की सदस्यता के लिए आमंत्रित किया गया है। ये मौका न सिर्फ दोनों कलाकारों के लिए सम्मानजनक है, बल्कि भारतीय फिल्म जगत के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

अकादमी अवॉर्ड्स के लिए आया न्योता

इस साल अकादमी ने कुल 534 नए सदस्यों को आमंत्रण भेजा है, जिसमें भारत से कई नामों ने जगह बनाई है। कमल हासन और आयुष्मान खुराना के साथ-साथ कास्टिंग डायरेक्टर करण माली, सिनेमैटोग्राफर रणवीर दास, कॉस्ट्यूम डिजाइनर मैक्सिमा बसु, डॉक्यूमेंट्री फिल्ममेकर स्मृति मुंदड़ा और फिल्ममेकर पायल कपाड़िया को भी सदस्य बनने के लिए न्योता मिला है।

कमल हासन, आयुष्मान को न्योता

कमल हासन को दक्षिण भारतीय सिनेमा में उनकी बहुपक्षीय प्रतिभा और चार दशकों के सिनेमाई योगदान के लिए जाना जाता है। वहीं आयुष्मान खुराना ने बॉलीवुड में अपने हटके रोल्स और सामाजिक मुद्दों को छूने वाली फिल्मों से एक खास पहचान बनाई है। दोनों कलाकारों का चयन वैश्विक मंच पर भारतीय प्रतिभा की मान्यता के रूप में देखा जा रहा है। इस लिस्ट में सिर्फ भारतीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर कलाकारों को भी जगह मिली है। जैसे कि हॉलीवुड स्टार्स डेव बॉतिस्ता, जेसन मोमोआ, गिलियन एंडरसन, एंड्रयू स्कॉट, ऑब्रे प्लाजा और 'सक्सेशन' फेम कियरन कल्किन जैसे नाम भी शामिल हैं।

कैसे मिलती है अकादमी की सदस्यता?

अकादमी की सदस्यता कोई आवेदन प्रक्रिया से नहीं बल्कि मौजूदा सदस्यों की सिफारिश और इंडस्ट्री में व्यक्ति के योगदान के आधार पर दी जाती है। इस बार विशेष ध्यान विविधता और समावेश पर दिया गया है। नए आमंत्रित सदस्यों में 41% महिलाएं हैं और 45% ऐसे समुदायों से आते हैं जिन्हें वैश्विक मंच पर अब तक कम प्रतिनिधित्व मिला है। अगर ये सभी आमंत्रित सदस्य अकादमी की सदस्यता स्वीकार कर लेते हैं तो 2025 तक अकादमी के कुल सदस्यों की संख्या 11,120 हो जाएगी, जिनमें से 10,143 सदस्य वोटिंग प्रक्रिया में भाग लेने के पात्र होंगे।

कब होंगे ऑस्कर अकादमी अवॉर्ड?

अगले ऑस्कर अवॉर्ड समारोह की तारीख भी तय हो चुकी है। यह भव्य आयोजन 15 मार्च 2026 को आयोजित होगा, जिसमें मेजबानी की जिम्मेदारी मशहूर होस्ट कॉनन ओब्रायन निभाएंगे। नामांकन के लिए वोटिंग 12 से 16 जनवरी 2026 तक होगी और नामों की आधिकारिक घोषणा 22 जनवरी को की जाएगी।

बॉर्डर 2 से दिलजीत दोसांझ को बाहर करने का मेकर्स ने लिया फैसला

भारतीय दर्शकों के दिलों में बसने वाले पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की मौजूदगी ने बड़ा बवाल खड़ा कर दिया है। हाल ही में कश्मीर में आतंकी हमले और फिर भारत की ओर से किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय पाकिस्तान को किसी तरह से बख्शने के मूड में नहीं हैं। एक यही गलती दिलजीत पर लगातार भारी पड़ती दिख रही है। खबर है कि बॉर्डर 2 मेकर्स ने दिलजीत दोसांझ की जगह बैड न्यूज़ एक्टर और सिंगर एमी विर्क को फाइनल करने का मन बना रहे हैं। खबर है कि ये फैसला विकास फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज द्वारा प्रड्यूसर्स से दिलजीत को फिल्म से हटाने की पब्लिकली अपील के बाद लिया गया है।

एफआईआर होने के बाद अभिनेत्री पूजा बनर्जी ने तोड़ी चुप्पी

टीवी की जानी-मानी जोड़ी पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा इन दिनों एक संगीन विवाद में फंसे हुए हैं। हाल ही में फिल्म निर्माता श्याम सुंदर डे ने इन दोनों पर अपहरण, शारीरिक हमले और पैसे वसूलने का आरोप लगाया है। इस मामले में निर्माता की पत्नी मालविका डे ने एफआईआर भी दर्ज करवाई है। वहीं अब पूजा बनर्जी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर कर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इस घटना को अपने जीवन का सबसे मुश्किल दौर बताया है। दरअसल, पूजा और कुणाल कुछ दिनों पहले खुद को एक आर्थिक धोखाधड़ी का शिकार बता चुके हैं। उन्होंने दावा किया था कि उनकी मेहनत की कमाई किसी करीबी ने हड़प ली। लेकिन इसी बीच एक नया मोड़ तब आया जब प्रोड्यूसर श्याम सुंदर डे ने उन पर गंभीर आरोप लगाए।

प्रोड्यूसर ने लगाए गंभीर आरोप

श्याम के मुताबिक, वो गोवा में एक काम के सिलसिले में रुके थे, तभी एक काली जगुआर कार ने उनका रास्ता रोका और दो लोगों ने उन्हें जबरदस्ती कार से उतरने को कहा। उन्होंने जब पूजा को देखा, तो उन्हें लगा कि कोई गलतफहमी हुई है और वो उनके साथ चले गए। लेकिन बाद में उन्हें एक विला में बंद कर दिया गया। श्याम का दावा है कि विला में उन्हें चार दिन तक बंधक बनाकर रखा गया और इस दौरान कुणाल ने उन्हें पीटा भी। उन्होंने ये भी कहा कि पूजा ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। श्याम का कहना है कि भले ही उनके और पूजा-कुणाल के बीच कुछ व्यवसायिक लेनदेन रहा हो, लेकिन ऐसा बर्ताव किसी भी सूरत में जायज नहीं ठहराया जा सकता।

शादी का रिश्ता जिद से ही चलता है
जिस दिन हार मान ली उस दिन टूट जाएगा

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में अपनी अदाकारी का झंडा गाड़ने वाले मिर्जापुर के रंगबाज गुड्डू भैया यानी एक्टर अली फजल अब मेट्रो... इन दिनों में मोहब्बत की दास्तान सुनाने आ रहे हैं। ऐसे में उन्होंने खास मुलाकात में प्यार, शादी, सिनेमा जैसे कई पहलुओं पर बात की -

आपकी फिल्म प्यार के विविध रंगों में रंगी है। आजकल प्यार के रिश्ते बड़े नाजुक हो गए हैं। बेंचिंग, घोस्टिंग और सिचुएशनशिप होने लगी है। क्या सोचते हैं इस बारे में?

अली फजल बोले- ये बेंचिंग, घोस्टिंग तो लेबल ही हैं ना। लेबल पहले भी थे, आज भी हैं। बस अब नए-नए शब्द आ गए हैं, मगर हां, रिश्ते बिल्कुल नाजुक हुए हैं। देखो, पहले लोग रिश्तों की खातिर कुछ समझौते करते थे, कुछ कुर्बानियां देते थे तो रिश्ते चल जाते थे। आज सब्र थोड़ा कम हो गया है, जिसकी एक बड़ी वजह मोबाइल है। आज फोन पर हम तीन सेकंड में किसी चीज की ओर आकर्षित नहीं हुए तो तुरंत आगे बढ़ जाते हैं। इससे हमारा मनोविज्ञान बदल गया है और हमारे अंदर धैर्य कम हो गया है।

आज के दौर में आपके और ऋचा चड्ढा के रिश्ते की लोग मिसाल देते हैं। इस रिश्ते ने आपको किस तरह बदला है? एक सफल शादी की नींव क्या मानते हैं?

मुझे लगता है कि इस रिश्ते ने मेरा नसीब बदला है। मैं बहुत ही खुशनसीब हूं कि हम दोनों (अली फजल और ऋचा चड्ढा) साथ हैं। हम हर स्तर पर साथी हैं। हालांकि, इस पर ज्यादा बात करना मुझे अजीब लगता है। अब मैं पिता भी हूं, तो मुझे काम खत्म करके ऋचा के पास ही भागना रहता है। हमने साथ में एक प्रोडक्शन भी शुरू किया है तो उसमें भी 10 चीजें होती रहती हैं। मेरा मानना है कि प्यार के रिश्ते को निभाना एक जिद है और जब तक वो जिद है, तब तक रिश्ते हैं। मुझे सच में लगता है कि रिश्ते जिद से ही चलते है। जिस दिन आप हार मान लो, जोकि बहुत आसान चीज है, उस दिन वो रिश्ता टूट जाता है।

आपने हिंदी फिल्मों से लेकर ओटीटी और हॉलीवुड तक में काम किया है। इन अलग-अलग जगहों पर काम करते वक्त बतौर एक्टर खुद में भी कुछ बदलाव करना पड़ता है?

मेरी शिद्दत में कोई बदलाव नहीं आता है। कम से कम मैं कोशिश करता हूं कि उसी शिद्दत से हर जगह काम करूं, लेकिन हां, अलग-अलग माध्यमों की जरूरतें अलग-अलग होती हैं। मसलन, जब हम वेब सीरीज करते हैं, जैसे मिर्जापुर तो उसमें बहुत धैर्य चाहिए होता है। वो बहुत मुश्किल होता है, कई बार मैं नहीं कर पाता हूं। इसलिए, मिर्जापुर के बाद अब जाकर मैं दोबारा लॉन्ग फॉर्म में कुछ कर रहा हूं। वहीं, हॉलीवुड का तरीका अलग है, क्योंकि उनका बजट अलग है। खुशनसीबी से मैं स्टूडियो फिल्मों का हिस्सा रहा हूं, जो बहुत ज्यादा बड़े बजट की होती हैं।

अब आप निर्माता भी बन चुके हैं। पिछले कुछ समय से थिएटर्स और दर्शकों के बीच जो दूरी देखने को मिली है, उसकी क्या वजह मानते हैं?

देखिए, हम जिस तरह कॉन्टेंट बना रहे हैं और जैसे उसे बेच रहे हैं, अगर उसमें तालमेल बैठ जाता है तो लोग देखने आएंगे। कई बार कॉन्टेंट खराब होता है और आप बेचते अच्छा है, तो लोग आते हैं और निराश होकर जाते हैं। कई बार आप अच्छा कॉन्टेंट बेच नहीं पाते हैं, लेकिन यह बहुत जरूरी है कि लोग थिएटर में आएं। अब वो जमाना गया कि अपना-अपना देखो, अभी बहुत जरूरी है कि हम एक-दूसरे की फिल्मों को सपोर्ट करें और ऑडियंस को अन्दर लाएं। अभी जैसे, आमिर खान सर की फिल्म सितारे जमीं पर इतना अच्छा कर रही है। मैं तो चाहता हूं कि अगली कई और फिल्में चलें, ताकि थिएटर और दर्शकों का रिश्ता फिर मजबूत हो। वो कनेक्ट टूट गया है, पर इसके लिए हमें वैसा कॉन्टेंट देना होगा।

3 इडियट्स और फुकरे के बाद मेट्रो... इन दिनों में भी आप गिटार लिए दिख रहे हैं। गिटार आपका पीछा नहीं छोड़ रहा, कैसा अनुभव रहा इस फिल्म का?

अरे यार, मैं फंस जाता हूं गिटार के साथ और फिर मेरे दोस्त जो वाकई गिटार बजाते हैं, वो गालियां देते हैं कि तुम्हें ऐसे रोल मिल जाते हैं, तुम कुछ भी टुनटुना देते हो और हमें देखना पड़ता है (हंसते हैं)। इसके चक्कर में मैंने थोड़ा-बहुत गिटार बजाना सीख भी लिया है, पर प्रैक्टिस का समय नहीं मिल पाता, तो कलाकारों वाली बात नहीं आ पाती, इसलिए एक्टिंग अच्छी करनी पड़ती है। बाकी, मेट्रो... इन दिनों का अनुभव बढ़िया था। शुरू में हवा थोड़ी टाइट हो गई थी, क्योंकि दादा (डायरेक्टर अनुराग बसु) ने कहानी बता दी थी। फिर बाद में कहा कि एक गाना भी तुम्हें गाना है। यह भी करना है, वो भी करना है, पर स्क्रिप्ट नहीं मिली थी और शूटिंग का पहला दिन आ गया था। मगर दादा अपने काम के माहिर हैं। वह बहुत बढ़िया डायरेक्टर हैं, तो मुझे बहुत अच्छा लगा।

राज्यपाल से छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन संचालक ने की मुलाकात

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से राजभवन में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) की संचालक श्रीमती जयश्री जैन ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को आजीविका मिशन के कार्यों से अवगत कराया। श्री डेका ने बिहान की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारी श्री आर के झा एवं श्रीमती मनीषा एलिस लकरा भी उपस्थित थे।

बैकुंठपुर के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री जोरों पर: बड़े सरगनाओं पर कार्रवाई की मांग तेज

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिला बैकुंठपुर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध अंग्रेजी शराब की बिक्री को लेकर बड़ी कार्यवाही की जरूरत है। ज्ञात हो की छत्तीसगढ़ का एक महत्वपूर्ण इलाका, जो अपनी सांस्कृतिक विरासत, खनिज संसाधनों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है, आज एक गंभीर सामाजिक समस्या से जूझ रहा है। बैकुंठपुर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मध्यप्रदेश से लाई जा रही अवैध शराब की बिक्री तेजी से बढ़ रही है। यह न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन गई है, बल्कि ग्रामीण समाज के सामाजिक ढांचे को भी खोखला कर रही है।

बढ़ती अवैध शराब की तस्करी: कारण और प्रवृत्ति

बैकुंठपुर से सटे हुए कई गांव, जैसे कि सलका सलवा, सागरपुर, ओडगी, सहित चर्चा कालरी के आसपास के ग्रामीण क्षेत्र जहां पर मध्यप्रदेश की सीमा से जुड़े हुए हैं। इन क्षेत्रों में सीमावर्ती गांवों से अवैध शराब की तस्करी करना तस्करों के लिए आसान हो गया है। सीमावर्ती रास्तों की निगरानी की कमी और पुलिस व आबकारी विभाग की सीमित उपस्थिति के कारण तस्कर बिना किसी भय के शराब की सप्लाई कर रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह शराब खुलेआम दुकानों, घरों और यहां तक कि सार्वजनिक स्थानों पर भी बेची जा रही है। कई बार तो स्कूली बच्चों और युवाओं को भी इसका शिकार बनते देखा गया है, जिससे समाज में नैतिक पतन की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

आबकारी विभाग की कार्रवाई: नाकाफी और सीमित

हालांकि आबकारी विभाग समय-समय पर कार्यवाही करता रहा है, लेकिन यह कार्यवाही छोटे स्तर पर ही सिमट कर रह जाती है। कुछ स्थानीय विक्रेताओं और वाहनों को पकड़कर विभाग कार्यवाही का दिखावा कर देता है, जबकि इस अवैध धंधे के पीछे काम कर रहे बड़े सरगनाओं तक न तो कानून का शिकंजा पहुंच पाता है और न ही कोई ठोस कार्यवाही होती है। इससे इन माफियाओं का मनोबल और अधिक बढ़ गया है।

न्यूज गैलरी

केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे 1 जुलाई को चर्चा कालरी में

चरचा कॉलरी - एसईसीएल का गौरव माने जाने वाले चर्चा कोयला खदान क्षेत्र में पहली बार भारत सरकार के कोयला एवं खनिज राज्य मंत्री माननीय सतीश चंद्र दुबे का बहुप्रतीक्षित दौरा ३० जून व एक जुलाई २०२५ को प्रस्तावित है। ३० जून को रात्रि कालीन विश्राम चर्चा कालरी के पंचवटी विश्रामगृह में होगा इसके पश्चात १ जुलाई को विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर क्षेत्र में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। खदान के कर्मचारियों से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक सभी इस दौरे को लेकर सक्रिय और उत्साहित हैं।इस दौरे के दौरान मंत्री महोदय चर्चा खदान का निरीक्षण करेंगे और उपस्थित खदानकर्मियों से संवाद करेंगे। क्षेत्रीय विकास और कर्मचारियों की समस्याओं को समझते हुए उनके समाधान की दिशा में कदम उठाने की संभावना है।मंत्री महोदय के साथ उनके विशेष सहायक ओ एस डी .अखिलेश, एसईसीएल के सी एम डी श्री हरीश दुहान, निदेशकगण तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

इस उच्चस्तरीय दौरे को सफल बनाने हेतु बैकुंठपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री बी.एन. झा स्वयं तैयारियों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। सुरक्षा, स्थल निरीक्षण, कर्मियों से संवाद, यातायात व्यवस्था, चिकित्सा सहायता एवं संपूर्ण कार्यक्रम समन्वय को लेकर गहन रूप से तैयारियां की जा रही हैं।विशेष रूप से चर्चा खदान से वर्चुअल माध्यम से एनसीपीएच माइंस, चिरमिरी में निरंतर खनन प्रणाली का उद्घाटन भी प्रस्तावित है, जिसके लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व प्रेजेंटेशन की तकनीकी तैयारियां श्री सी. शक्तिवेल, जीएम (ईएंडटी) की अगुवाई में की जा रही हैं। मंत्री जी के दौरे के दौरान मेडिकल सुविधा हेतु डॉ. प्रतिभा पाठक, ष्टरूस्, स्श्वष्टरु के नेतृत्व में पैरामेडिकल स्टाफ एवं एंबुलेंस की तैनाती सुनिश्चित की गई है। एयरपोर्ट ड्यूटी, ट्रांसपोर्ट, होटल, भोजन, विश्राम व्यवस्था सहि सभी आयामों की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों को सौंपी गई है। यह दौरा स्श्वष्टरु बैकुंठपुर क्षेत्र के लिए न केवल गौरवपूर्ण क्षण है, बल्कि यह खनन क्षेत्र की प्रगति, कर्मचारी कल्याण और क्षेत्रीय समस्याओं को राष्ट्रीय मंच तक पहुँचाने का भी एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है। मंत्री जी की इस यात्रा से चर्चाखदान क्षेत्र को नई ऊर्जा और दिशा मिलने की पूर्ण संभावना है।

स्वास्थ्य मंत्री शामिल होंगे विशाल स्वास्थ्य शिविर में

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा रविवार को सुबह 10 बजे से चेंबर भवन, रायपुर में एक विशाल मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण पहल में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री माननीय श्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह स्वास्थ्य शिविर आम जनता एवं व्यापारियों को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। चेंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी ने व्यापारियों एवं शहरवासियों से इस स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित होकर इसका लाभ उठाने का आग्रह किया है। इस अवसर पर चेंबर प्रदेश कार्यकारी महामंत्री कपिल दोशी (कार्यक्रम संयोजक), उपाध्यक्ष महेंद्र बागरोडि ?ा, मंत्री राहुल खूबचंदानी (कार्यक्रम संयोजक), आकाश दुदानी (कार्यक्रम संयोजक), निखिल झवेरी, सांस्कृतिक प्रभारी अनिल जोत सिंघानी (कार्यक्रम संयोजक) प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बारिश में भी निगम की एक्शन टीम का पैदल मार्च- टीपी नगर मार्ग पर अतिक्रमण हटाने की सख्त कार्रवाई

अवैध बोर्ड, डंपिंग, गंदगी और निर्माण सामग्री पर नोटिस व अर्थदंड, आयुक्त ने की सफाई व्यवस्था की समीक्षा

कोरबा अम्बिकावाणी- शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाने की मुहिम के तहत नगर निगम की एक्शन टीम ने शनिवार सुबह टीपी नगर मुख्य मार्ग पर पैदल मार्च कर सड़क व फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमणों के खिलाफ सघन कार्रवाई की। रिमझिम बारिश के बीच हुई इस कार्रवाई में टीम ने दुकानों के सामने लगे विज्ञापन बोर्ड, निर्माण सामग्री, सीएंडडी वेस्ट, जनरेटर और गंदगी के मामलों में संबंधितों को नोटिस जारी करते हुए सामग्री जब्त की और अर्थदंड भी आरोपित किया। सीएसईबी चौक से टीपी नगर चौक तक की गई इस कार्रवाई के दौरान बजाज फाइनेंस, शुगर क्राउन, आदित्य फोम, एसके ऑटोमोबाइल्स, अग्रवाल क्लीनिक सहित दर्जनों प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। आयुक्त ने इस दौरान सफाई कार्यों का निरीक्षण भी किया और स्वच्छता दीदियों से संवाद करते हुए सुरक्षा उपकरण, ड्रेस, परिचय पत्र और कार्यशैली की जानकारी ली। कचरा उठाव में देरी पर नाराजगी जताते हुए तुरंत उठाव के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्वच्छता संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और कर्मचारियों के लिए वॉकी-टॉकी सुविधा प्रस्तावित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की निगरानी के लिए प्रत्येक घर में क्यूआर कोड सिस्टम लागू करने की बात कही, ताकि नागरिक सीधे फीडबैक दे सकें। नागरिकों से अपील की गई है कि वे गीला और सूखा कचरा पृथक-पृथक डस्टबिन में रखें ताकि स्त्रोत स्तर पर कचरे का प्रभावी पृथक्करण सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर अपर आयुक्त, स्वास्थ्य अधिकारी, जोन कमिश्नर, अभियंता, राजस्व अधिकारी, जनसंपर्क अधिकारी व निगम के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भोपाल की युवा संसद में मनेंद्रगढ़ के शिवम जायसवाल की चमक, प्रोटेम स्पीकर बन निभाई नेतृत्व की भूमिका

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित युवा संसद में मनेंद्रगढ़ के शिवम जायसवाल ने प्रोटेम स्पीकर की भूमिका निभाकर नगर का नाम रोशन किया। यह ऐतिहासिक आयोजन आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ को केंद्र में रखकर आयोजित किया गया था, जिसका नेतृत्व मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। इस मौके पर देशभर से आए युवा सांसदों ने लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी जैसे संवेदनशील विषयों पर अपने विचार रखे।

शिवम जायसवाल ने न केवल प्रोटेम स्पीकर की भूमिका निभाई बल्कि युवा सांसद के तौर पर आपातकाल जैसे गहन विषय पर अपनी स्पष्ट तथ्यों पर आधारित और निर्भीक बातों से दर्शकों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा - आपातकाल हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है जिसे सजगता से निभाना चाहिए। उन्होंने आपातकाल के दौरान मीडिया पर लगाई गई पाबंदी को गलत बताते हुए अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताया। मनेंद्रगढ़ जैसे छोटे नगर से निकलकर राजधानी भोपाल के मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाना, न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह नगर के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत भी है। नगरवासियों ने शिवम की उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए इसे मनेंद्रगढ़ की युवा शक्ति की जीत बताया। सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाओं ने शिवम को शुभकामनाएं दी हैं।

परिवार और नगर को किया गौरवान्वित

शिवम नगरपालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की पार्षद नीलू एवं पत्रकार विनीत जायसवाल के सुपुत्र हैं। उनका चयन और योगदान मनेंद्रगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गया है। भोपाल के नगर निगम सभागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में उनकी सशक्त भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि छोटे शहरों से भी बड़े नेता निकलते हैं।

फुंडहर के किसानों ने पैतृक मकानों को जबरन तोडने का लगाया आरोप, दिया आत्मदाह की चेतावनी

रायपुर। राजधानी रायपुर के ग्राम फुंडहर (प.ह.नं.-68, रा.नि.मं.-रायपुर-10, जिला रायपुर) के पीड़ित किसानों ने हीरा ग्रुप से जुड़े रितेश कुमार महतो पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे शासन-प्रशासन पर दबाव बनाकर उनके पैतृक मकानों को जबरन तुड़वाने की साजिश रच रहे है। वे पिछले लगभग 30 वर्षों से उसी भूमि पर अपने पैतृक मकानों में निवास कर रहे हैं, जिसके वैध दस्तावेज – ऋण पुस्तिका क्रमांक 4243392 – उनके पास मौजूद हैं। उनका दावा है कि अब तक न तो पटवारी, न आर.आई., न तहसीलदार और न ही कलेक्टर कार्यालय की ओर से कोई सीमांकन या निर्माण हटाने की आधिकारिक सूचना दी गई है। यह जानकारी उन्हें केवल एक मित्र के माध्यम से तहसील कार्यालय में अनौपचारिक रूप से मिली। प्रभावित परिवारों में बनस राम निषाद, श्रीमती सावन बाई निषाद, रामानंद निषाद, सम्पत निषाद, घनाराम निषाद, धर्मेन्द्र निषाद और श्रीमती इंदिरा बाई समेत कई स्थानीय किसानों ने शनिवार को पत्रकारवार्ता में प्रशासन से इस कार्रवाई को रोकने की मांग की है। यदि उनके घरों को तोड़ा गया, तो वे आत्मदाह जैसा कठोर कदम उठाने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी रितेश कुमार एवं संबंधित अधिकारियों की होगी।

कल पीड़ित किसानों ने इस मामले को लेकर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू और रायपुर कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंप चुके है और अन्यायपूर्ण कृत्य को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों के अधिकारों की रक्षा हो सके।

बंदूक की राह नहीं, विकास की राह ही भविष्य का सही विकल्प - मुख्यमंत्री

रायपुर। बीजापुर जिले में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही व्यापक मुहिम को एक बड़ी सफलता मिली। जिले में सक्रिय 23 लाख रुपए के इनामी 13 कुख्यात हार्डकोर नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लिया। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों में से दस पर 1 लाख से 8 लाख तक के इनाम घोषित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ट्वीट किया कि यह महत्वपूर्ण आत्मसमर्पण राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति - 2025 और नियद नेल्ला नार योजना की प्रभावशीलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है, जिसके माध्यम से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विश्वास का वातावरण और बदलाव की सकारात्मक लहर सृजित हो रही है।

बरसात के पूर्व डेंगू से स्वास्थ्य विभाग सतर्क ,स्वास्थ्य विभाग ने शुरू किया जागरूकता एवं नियंत्रण अभियान

रायपुर। बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों की आशंका को देखते हुए रायपुर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि जिले में मितानिनों, ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति और समुदाय की भागीदारी से ₹सोर्स रिडक्शन₹ गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इसके तहत कूलर, टंकी, टायर, फूलदान, फ्रिज ट्रे आदि में जमा पानी हटाया जा रहा है, और जरूरत पड? पर टेमीफास लावीर्साइड का छिड़काव किया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. विमल किशोर राय ने कहा कि डेंगू की रोकथाम घर से ही शुरू होती है। जनसामान्य से अपील की गई है कि सप्ताह में कम से कम 10 मिनट निकालकर अपने घरों को मच्छर मुक्त बनाएं।

डेंगू से बचाव के लिए सुझाव

* घरों में जमा पानी सप्ताह में एक बार हटाएं (ड्राय डे मनाएं)
* कूलर, टंकी और बर्तनों को ढंककर रखें
* पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें
* बुखार होने पर पैरासिटामोल लें, तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें
* सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें

शाला प्रवेश उत्सव में नन्हें बच्चों का किया स्वागत, साइकिल एवं पुस्तक वितरण

कोरबा अम्बिकावाणी - ग्राम बेहरचुवा स्थित उच्चतर माध्यमिक शाला में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सभापति (वन) सावित्री अजय कँवर उपस्थित रहीं। उन्होंने शाला प्रवेश लेने वाले नन्हें बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती द्रौपदी राठिया ने की, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्र की जनपद सदस्य संतोषी राठिया एवं ग्राम पंचायत खुटाकुड़ा के सरपंच रामेश्वर राठिया मौजूद रहे। मंच संचालन विद्यालय के प्राचार्य अमृतलाल कंवर द्वारा किया गया। शुरूआत में माँ सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। इसके पश्चात कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का तिलक कर मिठाई खिलाई गई और निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत पात्र छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सावित्री अजय कँवर ने कहा, आज का दिन बच्चों के जीवन में शिक्षा की शुरूआत का प्रतीक है। यह केवल स्कूल आने का दिन नहीं, बल्कि संस्कार और भविष्य की नींव रखने का दिन है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया गया, जिसकी शुरूआत मुख्य अतिथि के कर-कमलों से हुई। अन्य अतिथियों ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पालक, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

राष्ट्रीय खाद्य पोषण सुरक्षा चावल (धान) एवं दलहन योजना का प्रदर्शन

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि विभाग के द्वारा जनहित योजनाओं को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदर्शन कर योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ा जा रहा है कृषि विभाग ने ग्राम पंचायत अमहर, तरगवां, रामपुर प, शिवपुर एवं पसला विकास खण्ड बैकुंठपुर के किसानों को राष्ट्रीय खाद्य पोषण सुरक्षा चावल (धान) एवं दलहन योजना अंतर्गत फसल प्रदर्शन हेतु सुगंधित धान एवं दलहन क्षेत्र विस्तार हेतु अरहर बीज निशुल्क का वितरण किया गया उपरोक्त कार्यक्रम में राजू साहू सभापति कृषि स्थाई समिति जनपद पंचायत बैकुंठपुर, राजेश कुमार भारती उपसंचालक कृषि कोरिया, रमेश कुमार पैकरा सरपंच तरगवां, वरुण सिंह सरपंच अमहर, रामराज सिंह सरपंच रामपुर प, अशोक कुशवाहा उपसरपंच अमहर,राय सिंह पूर्व सरपंच शिवपुर के साथ वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती वंदना सिंह श्याम, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी टी.एस . परस्ते, कुलदीप कुशवाहा, राकेश पैकरा की उपस्थिति रही।

विद्यार्थियों ने ली नशे से दूर रहने की शपथ

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। सेंट पैट्रिक्स एकेडमी मनेन्द्रगढ़ में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत नशा मुक्त भारत पखवाड़ा पर एक सशक्त और प्रेरक संगोष्ठी का आयोजन स्कूल के सभागार में किया गया जिसमें कक्षा 6वीं से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सेमिनार का नेतृत्व पुलिस विभाग मनेन्द्रगढ़ के अभिषेक पाण्डेय ने किया, जिन्होंने विद्यार्थियों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य तथा परिवार और समाज पर नशीली दवाओं के हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं से मादक द्रव्यों के सेवन से दूर रहने और देश के जिम्मेदार नागरिक बनने का आग्रह किया। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों ने नशा मुक्त जीवन जीने और दूसरों को भी नशा न करने के लिए प्रेरित करने की शपथ ली। संस्था की वरिष्ठ समन्वयक निशा राज सहित कई शिक्षक इस नेक कार्य का समर्थन और प्रोत्साहन करने के लिए उपस्थित रहे।

होव में पहली जीत हासिल करने उतरेगी भारतीय अंडर-19 टीम

इंग्लैंड लॉयंस से होगा मुकाबला, वैभव पर रहेंगी सबकी नजरें

■ लंदन

भारतीय अंडर-19 टीम आज से यहां इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 5 मैचों की यूथ वनडे सीरीज खेलेगी। इसका पहला मुकाबला होव में होगा। इस स्थल पर भारतीय टीम आजतक कभी नहीं जीती है। ऐसे में उसका लक्ष्य यहां पहली जीत दर्ज करना रहेगा। मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में भारतीय टीम टीम ने साल 1999 में यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्वकप में एक मैच खेला था पर उसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

इंडिया अंडर 19 टीम और इंग्लैंड लॉयंस के बीच सीरीज के पांचों वनडे मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3ः30 बजे से खेले जाएंगे। इस सीरीज का पहला एकदिवसीय होव में जबकि बाकी दो मैच नॉर्थेम्प्टन में खेले जाएंगे। वहीं अंतिम दो वनडे वर्सेसेस्टर शॉयर में खेले जाएंगे। इसमें भारतीय टीम की कप्तानी आयुष म्हात्रे के पास रहेगी। इस सीरीज में 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर भी सबकी नजरें रहेंगी।

वैभव ने आईपीएल 2025 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से डेब्यू करते हुए 252 रन बनाकर सभी को प्रभावित किया था, इस दौरान उन्होंने 35 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। उसी के बाद उन्हें इस सीरीज में अवसर मिला है। ऐसे में उनका लक्ष्य यहां बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। वैभव इस सीरीज में टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ पारी शुरु करेंगे। इससे पहले हुए अभ्यास मैच में वैभव ने 13 गेंदों पर 17 रन बनाए थे।

सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है : 30 जून, इंडियाअंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 दूसरा वनडे ङ्क काउंटी ग्राउंड, नॉर्थम्प्टन ङ्क दोपहर 3ः30 बजे

2 जुलाई, इंडिया अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 तीसरा वनडे ङ्क काउंटी ग्राउंड, नॉर्थम्प्टन ङ्क दोपहर 3ः30 बजे

5 जुलाई, इंडिया अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 चौथा वनडे ङ्क काउंटी ग्राउंड, न्यू रोड, वॉर्सेस्टर ङ्क 3ः30 बजे

7 जुलाई, भारत अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 पांचवां वनडे ङ्क काउंटी ग्राउंड, न्यू रोड, वॉर्सेस्टर ङ्क 3ः30 बजे.

टीम इस प्रकार है ः आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, अनमोलजीत सिंह, डी. दीपेश, नमन पुष्पक।

शास्त्री बोले, बीसीसीआई को अधिक हिस्सेदारी दे आईसीसी

■ नईदिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कुल राजस्व में से और अधिक हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री के अनुसार आईसीसी की सबसे ज्यादा कमाई भारत से होती है, ऐसे में बीसीसीआई अधिक रकम की अधिकारी है। उनका कहना है कि भारत से आईसीसी को कुल राजस्व का 38.5 फीसदी हिस्सा मिलता है और ये इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाले राजस्व से ज्यादा है। शास्त्री का कहना है कि जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलती है तो टीवी राइट्स और कमाई काफी बढ़ जाती है। इसलिए भारत को सबसे बड़ा हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री ने कहा, भारत को आईसीसी की के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना बढ़त होती है। टीवी से हो रही इस कमाई के आंकड़ों को देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए भारतीय बोर्ड को अधिक रकम मिलनी चाहिये। उन्होंने कहा, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। यह सब अर्थव्यवस्था पर निर्भर करता है।

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया मैच में तीसरे अंपायर के पांच फैसलों पर उठा विवाद

पूर्व क्रिकेटर बिशप ने नाराजगी जतायी

■ बारबाडोस

यहां वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में तीसरे अंपायर के 5-5 गलत फैसलों पर विवाद उठे हैं। मैच के पहले दो दिनों में ही 24 विकेट गिर चुके हैं और मुकाबला रोमांचक हो गया है। थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक के इन गलत फैसलों से मेजबान वेस्टइंडीज की टीम ही अधिक नुकसान हुआ है क्योंकि इन 5 में से 4 फैसले उनकी टीम के खिलाफ गये हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने भी तीसरे अंपायर के फैसलों पर सवाल उठाये हैं।

दूसरे दिन के पहले ही ओवर में वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज जोश हेजलवुड की एक गेंद को एक रन के लिए खेला। ऑस्ट्रेलियाई के कप्तान पैट कमिंस को लगा कि गेंद पहले पैड पर लगी है, इसलिए उन्होंने डीआरएस की अपील की। तो तीसरे अंपायर ने यह सोचकर नॉट-आउट फैसला सुनाया कि गेंद पहले बल्ले से टकराई थी। पैट कमिंस और हेजलवुड इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए मैदानी अधिकारियों के पास गए पर कुछ लाभ नहीं हुआ। इसके बाद रोस्टन भी गलत फैसले से प्रभावित हुए। पैट कमिंस ने उन्हें एलबीडब्ल्यू की अपील की जिसे अंपायर ने मान लिया। रोस्टन ने डीआरएस लिया पर अंपायर का फैसला नहीं बदला। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा, मैं इस फैसले से सहमत नहीं हूं। मेरे विचार से रोस्टन आउट नहीं थे।। यह सिलसिल आगे भी चला। दोपहर के सत्र में वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शाई होप का विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने शानदार कैच पकड़ लिया पर अंपायर कैच ने फैसला तीसरे अंपायर को सौंप दिया। रिप्ले में देखा गया कि कैरी ने जब गेंद पकड़ी तो गेंद का कुछ हिस्सा जमीन पर लगा था, इसके बाद भी थर्ड अंपायर ने होप को आउट करार दिया। दूसरे दिन के अंत में एक बार फिर यही हुआ वेस्टइंडीज के कैमरून ग्रीन एलबीडब्ल्यू की अपील से बच गए। रिप्ले से पता चला कि गेंद बल्ले से पहले पैड पर लगी थी। हालांकि, होल्डस्टॉक ने एक बार फिर गलत फैसला लेकर नाट आउट दिया। पहले दिन ट्रेविस हेड के मामले में शमर जोसेफ की गेंद पर शाई होप ने कैच पकड़ा था पर अंपायर ने आउट नहीं दिया।

डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर रॉस कैंसर से उबरे प्रशंसकों में छायी खुशी

सेन डियागो डब्ल्यूडब्ल्यूई हाल ऑफ फेम रहे रेसलर जिम रॉस ने कहा है कि उनकी कैंसर की बिमारी ठीक हो गयी है। रॉस ने कुछ हफ्ते पहले ही कहा था कि वह कोलन कैंसर से जूझ रहे हैं और इसके लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके बाद रॉस ने कहा कि वह घर पर बैठकर थक गए हैं और अवसरों का लाभ उठाना चाहते हैं। रॉस का कैंसर ठीक होने से उनके फैंस और शुभचिंतकों में खुशी छायी है।

रॉस ने नए सत्र में अपने स्वास्थ्य पर जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें कुछ सप्ताह पहले ही कोलन कैंसर होने का पता चला था। इसके बाद उन्होंने सर्जरी करारी थी। वहीं अब रॉस ने कहा उनका कैंसर ठीक हो गया है और वह अच्छा अनुभव कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि वह घर पर बैठकर थक गए थे और वापस रिंग में आना चाहते हैं। सा ही कहा कि वह 12 जुलाई को आर्लिंग्टन, टेक्सास के ग्लोब लाइफ फील्ड में आगामी एईडब्लयू ऑल इन टेक्सास कार्यक्रम में उपस्थित रहना चाहते हैं।

रॉस पिछले साल से ही कई सेहत से जुड़ी परेशानियों जूझ रहे हैं और उन्हें कई बार अस्पताल में भी भर्ती कराया गया था। हालांकि, अपने परिवार और फैंस के समर्थन से रॉस बेहतर होकर उभरे। इसके अलावा, इस बार भी ऐसा ही था जब उन्हें कैंसर का पता चला। रॉस कुछ समय से एईडब्लयू के लिए पार्ट-टाइम काम कर रहे हैं।

ऋषभ की बल्लेबाजी से प्रभावित हुए ग्रेग चैपल

■ सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रहे ग्रेग चैपल ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। चैपल लीड्स में खेली ऋषभ की शतकीय पारियों से हैरान है।

चैपल ने कहा कि इस बल्लेबाज ने ऐसे शॉट खेले जो क्रिकेट की किताब में तक नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये बल्लेबाज खेल को एक नया अंदाज दे रहा है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 178 गेंदों पर 134 जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाये थे। उन्होंने इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बनाए। चैपल ने कहा कि वह ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो 'एमसीसी प्लेइंग मैनुअल' में भी नहीं हैं। साथ ही कहा, 'जब मैंने पहली बार उसे देखा तो मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद आ गयी हालांकि वह एक अलग तरह का खिलाड़ी है। जब एक विकेटकीपर बेहतरीन बल्लेबाजी करता है और तेजी से रन बनाता है तो यह टीम के लिए बड़ा अंतर पैदा कर सकता है.'

चैपल ने कहा, 'सबसे बड़ी खूबी ये है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाता है जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उसका प्रदर्शन शानदार था। उसने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे। वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहा है। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे। उसे देखना रोमांचक है अनुभव है।'

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि कोई कभी नहीं जान सकता कि वह कब क्या कर सकता है। चैपल ने कहा, 'आप कभी नहीं जानते कि पहली गेंद से उससे क्या उम्मीद की जाए। किसी भी स्तर पर वह तेज गेंदबाजों के लिए खिलाफ आगे बढ़कर या गिरते हुए रैंप शॉट खेल सकता है।' चैपल ने कहा, 'आप कभी नहीं जानते कि क्या उम्मीद करनी है। इससे विपक्षी टीम सतर्क रहती है। वह मैच विजेता है और उसने पहले टेस्ट में भी भारतीय टीम को आगे ला दिया था।'

वैभव के बाद उभरा एक और नया सितारा हरवंश पंगालिया

■ मुम्बई

वैभव सूर्यवंशी के बाद अब एक और भविष्य का नया सितारा उभर रहा है। ये है बल्लेबाज हरवंश पंगालिया। हरवंश ने इंग्लैंड दौरे में यंग लॉयन्स के खिलाफ अपनी पारी से सभी को हैरान कर दिया है। हरवंश की बल्लेबाजी से ही भारतीय अंडर-15 टीम ये मैच जीतने में सफल भी रही।

लफबरो में खेले गए इस वनडे मुकाबले में जब कप्तान आयुष म्हात्रे 1 और वैभव 17 रन ही बना सके। तो ऐसे समय में हरवंश ने आक्रामक बल्लेबाजी कर नाबाद 103 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने 52 गेंद की अपनी पारी में 8 चौके, 9 छक्के लगाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड यंग लॉयन्स के गेंदबाजों की लय बिगड़ गयी।

हरवंश की इस पारी से साफ हो गया है कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हरवंश के पिता एक ट्रक ड्राइवर हैं और उनका परिवार अब कनाडा में रह रहा है। हरवंश के अलावा इस मैच में राहुल कुमार ने 73 रन, कनिष्क चौहान ने 79 रन और आर.एस. अम्बरीश ने 72 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी में दीपेश देवेन्द्रन ने 3 विकेट लिए नमन पुष्पक और विहान मल्होत्रा ने 2-2 विकेट लिए। ऐस में तय है कि आने वाले समय में भारतीय टीम में जगह पाने के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

आर्चर को दूसरे टेस्ट में उतारे जाने के पक्ष में नहीं वॉन और फारब्रेस

■ लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और ससेक्स के कोच पॉल फारब्रेस ने कहा है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को अभी कुछ अभ्यास मैच खेलने दें और दूसरे ही टेस्ट में न उतारें। आर्चर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर है ऐसे में उन्हें एकदम से उतारना ठीक नहीं है। आर्चर ने चार साल बाद डरहम के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिए खेलते हुए 18 ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया जिसके बाद से ही ये अटकलें हैं कि उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए टीम में जगह मिल सकती है। इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने हाल ही में संकेत दिया था कि आर्चर 2 जुलाई से एजबेस्टन में होने वाले भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

वहीं वॉन ने कहा, 'चार साल बाद लंबे फॉर्मेट में लौटे खिलाड़ी को एक ही मैच के आधार पर टेस्ट में नहीं रखा जा सकता। वॉन ने सुझाव दिया कि आर्चर को एक और चार दिवसीय मैच खेलने देना चाहिए जिससे वे लय में लौटें।

पेरिस में केन्या की ओलपिक चैम्पियन फेथ किपयागोन रेस में भाग लेती हुई।

रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली इस पारी को मानते हैं अपनी सबसे अच्छी पारी

मुम्बई अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप में एक से बढ़कर एक पारियां खेलकर अब तक 8 शतक लगाये हैं पर रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 विश्वकप 2024 में खेली अपनी 92 रनों की पारी को इस प्रारुप की अपनी सबसे अच्छी पारी मानते हैं। उस मैच में रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के घातक गेंदबाज मिचेल स्टार्क की गेंदों पर भी जमकर चौके और छक्के लगाये थे। उस मैच में कोई गेंदबाज रोहित के कोप से बच नहीं पाया था। रोहित की 92 रनों की पारी से भारतीय टीम ने 205 रन बनाये थे जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम 181 रनों पर ही सिमट गयी थी। रोहित ने कहा, टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की पारी मेरी अब तक की सर्वश्रेष्ठ टी20 पारी है। उन्होंने साथ ही कहा, जब मैं 2024 टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के लिए उतरा, तो मेरे दिमाग में बस यही था कि मुझे किसी तरह स्कोर करना है, मुझे उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना है और रन बनाना है। इसी कारण मैं हर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज के खिलाफ आक्रमण करना चाहता था। ऑस्ट्रेलिया ने 2023 विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम को हराकर करोड़ों प्रशंसकों को निराशा में झौंक दिया था। उसी हार का ये बदला था। रोहि ने 2023 विश्वकप को याद करते हुए कहा, ऑस्ट्रेलिया ने 19 नवंबर को एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में हमारा और पूरे देश का दिन खराब कर दिया था, इसलिए हमें भी हिसाब बराबर करना था।

मैनचेस्टर सिटी ने क्लब विश्वकप फुटबॉल में जुवेंटस को हराया

लंदन मैनचेस्टर सिटी ने जुवेंटस एफसी क्लब को 5-2 से हराने के साथ ही विश्व कप क्लब फुटबॉल 2025 के ग्रुप स्तर पर 100 प्रतिशत जीत का नया रिकॉर्ड बनाया है। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत के साथ ही ग्रुप जी में पहला स्थान मिल गया है। अब मैनचेस्टर का सामना ग्रुप एच की दूसरे नंबर की टीम से राउंड ऑफ 16 में होगा। मैनचेस्टर फीफा क्लब विश्व कप 2025 के ग्रुप चरण में सभी मुकाबले जीतने वाली अकेली टीम है। उसने अब तक इस टूर्नामेंट में 13 गोल किए हैं जबकि दूसरे नंबर पर 12 गोल के साथ ही एफसी बायर्न म्यूनिख है। जुवेंटस के खिलाफ मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी का नियंत्रण पूरे समय बना रहा। मैच की शुरुआत के नौवें मिनट में ही मैनचेस्टर ने गोल कर बढ़त हासिल कर ली हालांकि ये अधिक देर तक कायम नहीं रह पायी। केवल दो मिनट बाद सिटी के गोलकीपर एडरसन के आत्मघाती गोली से जुवेंटस बराबरी पर पहुंच गयी। इसके बाद 26वें मिनट में जुवेंटस के डिफेंडर की गलती से हुए गोल से मैनचेस्टर को फिर बढ़त मिल गयी। मैनचेस्टर पहले हाफ में हावी रही। बीच में बारिश के कारण बाधा आई पर मैनचेस्टर की लय बनी रही। दूसरे हाफ में एरलिंग हैलैंड ने 52वें मिनट में गोल दागकर सिटी की बढ़त को 3-1 कर दिय। इसके बाद फिल फोडेन ने गोल कर स्कोर 4-1 कर किया।

जडेजा का करियर भी समाप्त होता नजर आ रहा

मुम्बई रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बाद अब लगता है कि स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का टेस्ट करियर भी समाप्त हो सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में जिस प्रकार करुण नायर की वापसी हुई है और साई सुदर्शन ने डेब्यू किया है। उससे अब जडेजा के लिए जगह बनना कठिन होता जा रहा है। विदेश दौरे पर आम तौर पर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में एक ही स्पिनर होता है। ऐसे में जडेजा को कुलदीप यादव से कड़ी टक्कर मिल रही है। पहले टेस्ट में जडेजा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इससे ऐसा लगता है कि ये उनका अंतिम विदेश दौरा हो सकता है। जडेजा अभी टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज और सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर है पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं रही है। वह पहले टेस्ट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही असफल रहे। उन्होंने पहली पारी में 11 और दूसरी में नाबाद 25 रन बनाए। गेंदबाजी में उन्हें सिर्फ दूसरी पारी में एक विकेट मिला। ऐसे में कहा जा रहा है अगर पहले टेस्ट मैच में जडेजा की जगह कुलदीप होते तो भारतीय गेंदबाज हावी रहते। जडेजा टीम इंडिया के एकमात्र खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका टेस्ट करियर 15 साल से अधिक पुराना हो गया हे।

जानबूझकर कैच आउट के दावे को नो बाल करार दे सकता है अंपायर

मुम्बई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये नियम से अब खेल में कई बदलाव दिखेंगे। आईसीसी ने कैच से लेकर डीआरएस तक का नियम बदल है। इसके अलावा टेस्ट मैचों में गेंद बदलने को लेकर भी नए नियम बनाये गये हैं। इससे सबसे ज्यादा प्रभाव कैच को लेकर पड़ेगा। अगर कैच लेने के दौरान फील्डर अंपायर पर किसी तरह का दबाव डालता है तो उससे टीम को नुकसान उठाना पड़ेगा। है। आईसीसी का ये नियम दो जुलाई से लागू होगा। इसमें उन कैचों को लेकर नियम में बदलाव किया गया जो पूरी तरह से स्पष्ट नहीं होता। इस तरह के कैचों में अब अगर किसी तरह की बहस की जाती है।

मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय श्रीमती बसंती पैंकरा को अर्पित की विनम्र श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम कोकियाखार पहुंचकर विधायक श्रीमती गोमती साय की माता स्वर्गीय श्रीमती बसंती पैंकरा के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय श्रीमती बसंती पैंकरा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने उनके शोक-संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

राजधानी

अम्बिकावाणी | बैकुण्ठपुर, रविवार 29 जून, 2025 | 8

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री ने सम्पर्क स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट ब्लाक कार्यक्रम का किया शुभारंभ

00 50 प्राथमिक स्कूलों के बच्चों के लिए सम्पर्क स्मार्ट किट वितरण किए

00 बच्चों से शैक्षणिक गतिविधियों की भी ली जानकारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज कांसाबेल विकास खंड के बगिया हाई स्कूल में सम्पर्क स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट ब्लाक कार्यक्रम का शुभारंभ किया और जशपुर के 50 प्राथमिक स्कूली बच्चों के लिए सम्पर्क स्मार्ट कीट और टीवी का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, कांसाबेल जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुशीला साय, भरत सिंह, उपेन्द्र यादव, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, एस एस पी श्री शशि मोहन सिंह और सम्पर्क फाउंडेशन के नेशनल मैनेजर प्रदीप राणा, डिप्टी कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा, जनप्रतिनिधिगण, स्कूली बच्चे और शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कार्यकम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज बहुत खुशी हो रही है कि हमारे गृह ग्राम बगिया में नवाचार के तहत सम्पर्क स्मार्ट स्कूल की शुरूआत की गई है। मुख्यमंत्री ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए भावुक हो गए और इस बात की खुशी जाहिर की उनके गृह ग्राम बगिया में नवाचार के तहत सम्पर्क स्मार्ट स्कूल की शुरूआत की गई है। उन्होंने बताया कि उनका जन्म बगिया गांव में हुआ प्राथमिक शिक्षा पहली से पांचवीं तक बगिया प्राथमिक स्कूल में पढ़ाई पूरी की मुख्यमंत्री ने बताया कि 50 साल पहले बगिया स्कूल खपरैल का रहता था। पानी टपकता था पानी टपकने के कारण जगह बदलना पड़ता था लेकिन आज 50 साल बाद बगिया स्कूल का कायाकल्प हो गया है वर्तमान में हाईस्कूल संचालित हो रहा है। 50 वर्षों में बगिया का कितना विकास हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले जमाने में प्राथमिक स्कूलों के बाद हाईस्कूल पढ? के लिए लम्बी दूरी करनी पड़ती थी लेकिन वर्तमान में छत्तीसगढ़ में बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा की सुविधा बच्चों को दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा ही एक मात्र मूल मंत्र है जिससे व्यक्ति का विकास संभव है। शिक्षक हमारे राष्ट्र के निमार्ता होते हैं यही हमें अच्छा डाक्टर, इंजीनियर,वकील, वैज्ञानिक, प्रोसेसर बनाने अहम भूमिका निभा रहे हैं। जैसी मुझे जानकारी मिली है कि संपर्क फाउन्डेशन के संस्थापक अध्यक्ष विनीत नायर जी एचसीएल टेक्नोलॉजीज के सीईओ रहे हैं। उन्होंने उनकी मां जनक नायर जो सरकारी स्कूल में शिक्षिका थी से प्रेरणा पाकर संपर्क कार्यकम का प्रारंभकिया गया है जो कि उतरप्रदेश, हरियाणा राज्यस्थान, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखण्ड जैसे राज्यों में बच्चों के सिखने सिखाने में बहुमूल्य योगदान दिया जा रहा है। सम्पर्क फाउडेशन खेल-खेल के माध्यम से बच्चों को सीखना सिखाना असान कर रहा है। इसके लिए संम्पर्क फाउडेशन के द्वारा संम्पर्क टी.वी. डिवाइस एवं गणित किट अंग्रेजी किट प्रदान किया जाता है जो आज हमारे जिले के 50 विद्यालयों को वितरण किया जा रहा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि विद्यालयों में इन किट का भरपूर उपयोग किया जाएगा जिससे हमारे बच्चों का न केवल झिझक दूर होगा बल्कि हमारे बच्चों को सीखना सिखाना भी असान हो जायेगा। अतः आप सभी प्रधान पाठक इन सब संसाधनों के उपयोग को सही क्रम और सही ढंग से समझें और बच्चों को आगे बढाएं। कलेक्टर ने अवगत कराया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जशपुर जिले के 15 विद्यार्थियों ने 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में टॉप 10 मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर संपूर्ण राज्य में अपना परचम लहराया । कक्षा 10वीं के 94 प्रतिशत विद्यार्थी एवं 12वीं के 94 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण होकर राज्य में सर्वाधिक उत्तीर्णता प्रतिशत वाला जिला रहा है। उच्च शिक्षा के साथ साथ प्राथमिक स्तर पर जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 5वीं में 99.5 प्रतिशत एवं 8वीं में 97.3 प्रतिशत के साथ राज्य स्तर पर अपनी विशेष छाप छोडी है। जिले में शैक्षणिक गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशन में विभाग के द्वारा जिला स्तर पर समस्त प्रधान पाठकों एवं प्राचार्यों के उन्मुखीकरण का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए इसरो आईआईटी एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से टाईअप करते हुए कई कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, प्रतिदिवस शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की ऐप के माध्यम से उपस्थिति ली जा रही है, दैनंदिनी की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है एवं वर्तमान में जिले के समस्त विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था सुधार हेतु युक्तियुक्तकरण की कार्यवाही सम्पन्न की गई है। इसी क्रम में जिले के 50 प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफ एल एन) हेतु संपर्क फाउन्डेशन के माध्यम से एफ. एल. एन. किट का वितरण किया जा रहा है जो जिले के शैक्षणिक गुणवत्ता के सुधार में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

कृषकों की समृद्धि हमारा संकल्पः नवाचार और तकनीक से सशक्त होंगे छत्तीसगढ़ के अन्नदाता - मुख्यमंत्री

00 मुख्यमंत्री ने किया एग्री-हॉर्टी एक्सपो एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का वर्चुअल शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले में बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से कृषि क्रांति अभियान के अंतर्गत एग्री-हॉर्टी एक्सपो एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का वर्चुअल शुभारंभ किया। जिला पंचायत परिसर में दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश की कई प्रमुख कृषि कंपनियां जैसे-जियो मार्ट रिटेल, देहात, हॉनेस्ट फॉर्म, आत्माकुर, धरागरी, अवनी आयुवेर्दा इत्यादि उपस्थित रहेंगी। इन कंपनियों के माध्यम से जिले के किसान एफपीओ के जरिए अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने हेतु फसल विक्रय अनुबंध कर सकेंगे। बिचौलिया प्रथा समाप्त होने से किसानों को उनकी मेहनत का सही मूल्य प्राप्त होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषकों की समृद्धि के लिए छत्तीसगढ़ सरकार दृढ़ संकल्पित है। नवीनतम तकनीक को अपनाकर छत्तीसगढ़ के अन्नदाता आर्थिक रूप से अधिक सशक्त होंगे। उन्होंने कहा कि जशपुर के कृषि विकास के इतिहास में आज का दिन मील का पत्थर सिद्ध होने वाला है। जिला प्रशासन के अभिनव प्रयास से 'कृषि क्रांतिइ अभियान की शुरूआत हो रही है। हमारा देश कृषि प्रधान है और छत्तीसगढ़ में लगभग 80 प्रतिशत लोग कृषि तथा इससे संबंधित कार्यों से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने हेतु फसल बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। चाहे वह समर्थन मूल्य पर 3100 रुपये प्रति क्विंटल के मान से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी हो, समर्थन मूल्य पर वनोपज का संग्रहण हो या प्रोसेसिंग और निर्यात से जुड़ी योजनाएं हों, हमारी सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए बहुस्तरीय प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जशपुर में कटहल, आम, लीची, नाशपाती की बहुतायत में पैदावार होती है। यहां सेब की भी खेती शुरू हो गई है। इस सम्मेलन के माध्यम से किसानों और खरीदार कंपनियों के बीच सीधा संवाद स्थापित होगा। यह एक ऐसा मंच है जहां एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) के माध्यम से किसानों की उपज को सीधा बाजार उपलब्ध होगा, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सॉइल हेल्थ कार्ड के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि इससे यह जानकारी मिलती है कि किस जमीन पर कौन-सी फसल का उत्पादन अधिक होगा और कितनी मात्रा में खाद की आवश्यकता होगी। इसके लिए केंद्र से आए कृषि वैज्ञानिक पूरे राज्य में जाकर सॉइल हेल्थ के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं। राज्य में कृषि के साथ पशुपालन, मछली पालन और डेयरी विकास को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। डेयरी विकास योजना के पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयनित छह जिलों में जशपुर भी शामिल है।

रायगढ़ से वर्चुअली जुड़े सांसद श्री राधेश्याम राठिया ने कहा कि जशपुर जिले का प्राकृतिक वातावरण अत्यंत आकर्षक है। जल संरक्षण और संवर्धन के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि जल का संरक्षण अनिवार्य है, जिससे किसानों को लाभ होगा और उनकी आमदनी में वृद्धि होगी। जिला पंचायत से वर्चुअली जुड़ी विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि जशपुर जिला नवाचार को तेजी से अपना रहा है। इस सम्मेलन के माध्यम से किसानों और कंपनियों के बीच सीधा अनुबंध होगा, जिससे उन्हें निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय ने अपने संबोधन में कहा कि यदि जिले में व्यवस्थित ढंग से खेती और प्रबंधन किया जाए तो किसानों को निश्चय ही लाभ प्राप्त होगा। जशपुर आम, मिर्च और नाशपाती के उत्पादन में अग्रणी है। उन्होंने धान के साथ दलहन और तिलहन की खेती को प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने एग्री-हॉर्टी एक्सपो एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन के महत्व तथा इससे किसानों को होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला पंचायत से वर्चुअली जुड़े जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार ने एक वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से सम्मेलन के तहत होने वाले नवाचार एवं विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर आईजी श्री दीपक कुमार झा, पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री गंगा राम भगत सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

एग्री-हॉर्टी एक्सपो एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में मिलेगी उन्नत तकनीकों की जानकारी

सम्मेलन के माध्यम से किसानों को उन्नत तकनीकों की जानकारी देने के उद्देश्य से नाबार्ड एवं एपेडा जैसी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित होकर एग्रीकल्चर मार्केटिंग, जैव उत्पादों के प्रमाणीकरण आदि विषयों पर किसानों को जानकारी देंगे। राज्य के वरिष्ठ वैज्ञानिक फसल किस्मों का जीआई टैग, कृषि एवं उद्यानिकी फसलों की वैज्ञानिक पद्धति से खेती तथा रेशम विशेषज्ञ रेशम पालन की जानकारी देंगे। साथ ही कंपनी एवं किसानों के मध्य अनुबंध खेती (कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग) पर चर्चा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कंपनी और कृषकों के मध्य अनुबंध हस्ताक्षर भी किए जाएंगे।

कार्यक्रम में फसल प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है, जिसमें जिले के एफपीओ से जुड़े किसान एवं प्रगतिशील किसान अपनी फसल जैसे-जैविक धान, कुटकी, रागी, नाशपाती, लीची, रामतिल, टाऊ, मिर्च, सुगंधित धान आदि का किस्मवार गुणवत्ता के आधार पर प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत आम एवं नाशपाती तथा नवाचार प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया है। विजेता किसानों को पुरस्कार राशि भेंट कर आगामी समय में नवाचार एवं उन्नतशील खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

स्वच्छता दीदियों का ड्राईविंग लाईसेंस बनाने 02 जुलाई को सियान सदन में लगेगा शिविर

कोरबा अम्बिकावाणी - नगर पालिक निगम कोरबा में ई-रिक्शों के माध्यम से डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण करने वाली स्वच्छता दीदियों व स्वच्छता कामगारों का ड्राईविंग लाईसेंस बनाए जाने हेतु आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में निगम द्वारा आर.टी.ओ.कार्यालय के सहयोग से ०२ जुलाई को घंटाघर के समीप स्थित सियान सदन में प्रातः ११ बजे से शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर के माध्यम से कार्य में संलग्न सभी स्वच्छता दीदियों का लाईसेंस बनाया जाएगा।

यहॉं उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र के सभी वार्डो में डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण की प्रभावी व्यवस्था की गई हैं तथा शत प्रतिशत घरों से प्रतिदिन डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण का कार्य स्वच्छता दीदियों के माध्यम से कराया जा रहा है। निगम क्षेत्र में वर्तमान में कुल २८२ मेन्युअल व ई-रिक्शों की सेवाएं ली जा रही हैं, ई-रिक्शा के माध्यम से डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण का कार्य करने वाली स्वच्छता दीदियों व स्वच्छता कामगारों को किसी प्रकार की असुविधा कार्य के दौरान न हों, सड़क संबंधित सुरक्षा सुनिश्चित रहें, इसको ध्यान में रखते हुए उनका ड्राईविंग लाईसेंस बनाया जाना हैं, इस हेतु जिला परिवहन कार्यालय के सहयोग से निगम द्वारा घंटाघर के समीप स्थित सियान सदन में ०२ जुलाई को प्रातः ११ बजे से एक दिवसीय शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी स्वच्छता दीदियों से आवश्यक दस्तावेज लेकर उन्हें तत्काल लर्निंग लाईसेंस बनाकर दिया जाएगा।

मंत्री राजवाड़े ने किया आंगनबाड़ी और प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर के पंच मंदिर वार्ड में आंगनबाड़ी केंद्र और शासकीय प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, पोषण, स्वच्छता और शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आंगनबाड़ी में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार की गुणवत्ता, टीकाकरण और पोषण ट्रैकर ऐप के उपयोग की जांच की गई। मंत्री ने कुपोषण से जूझ रहे बच्चों की नियमित निगरानी और गुणवत्तापूर्ण आहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्राथमिक शाला में उन्होंने शिक्षकों से पाठ्यक्रम, मध्याह्न भोजन और पुस्तक वितरण की जानकारी ली। बच्चों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और सपनों को जाना। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मजबूत बचपन ही सशक्त भविष्य की नींव है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार बाल विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में जिला कार्यक्रम अधिकारी, बीईओ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

चिरमिरी की सड़कों पर निकली आस्था की रथ, भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में झूम उठे श्रद्धालु

कोरिया बैकुंठपुर। चिरमिरी शहर का वातावरण शुक्रवार को एक विशेष उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा, जब यहां के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर पोड़ी से भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली गई। परंपरा, भक्ति और उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिला जब हजारों श्रद्धालु भगवान के रथ को खींचने और दर्शन करने के लिए उमड़ पड़े। पूरे नगर में एक दिव्य और भक्तिमय माहौल व्याप्त हो गया।

सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में जुटने लगी थी। जैसे ही भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमाओं को विशेष विधिविधान से रथ पर विराजमान किया गया, पूरे वातावरण में ₹जय जगन्नाथ₹ के जयघोष गूंजने लगे। बैंड-बाजों, ढोल-नगाड़ों की मधुर ध्वनि, भजनों की भक्तिरस में डूबी धुनें और श्रद्धालुओं की झूमती टोलियां झ यह दृश्य किसी धार्मिक उत्सव की नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक मेले की अनुभूति दे रहा था।

रथयात्रा जगन्नाथ मंदिर पोड़ी से आरंभ होकर मुख्य मार्गों से गुजरते हुए मां दुर्गा मंदिर, पोड़ी तक पहुंची। रास्ते भर श्रद्धालुओं ने भगवान का स्वागत फूलों की वर्षा से किया, कई जगहों पर स्थानीय लोगों द्वारा भोग और प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई थी। हर मोड़ पर लोग रथ खींचने को आतुर दिखे झ मानो अपने जीवन को भगवान से जोड़ने का अवसर हो।

रथयात्रा महज एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह चिरमिरी की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक भी है। यहां के लोगों की आस्था और सहयोग ने इसे एक जन-उत्सव का रूप दे दिया है। हर धर्म, जाति और वर्ग के लोगों ने इसमें भाग लिया और भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर पुण्य अर्जित किया। महिलाएं और पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में मंगल गीत गा रहे थे, वहीं युवाओं ने नृत्य के माध्यम से उत्सव का रंग और गहरा कर दिया।

यह आयोजन केवल भक्ति का नहीं बल्कि सांस्कृतिक समृद्धि का भी परिचायक है, जिसमें स्थानीय कला, वाद्य, लोक परंपराएं और जनसंपर्क सभी एक साथ अभिव्यक्त होते हैं।

इस भव्य आयोजन में चिरमिरी नगर निगम महापौर रामनरेश रॉय, पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल और कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव सहित अनेक जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता इस आयोजन में सहभागी बने।

इस विशाल आयोजन के दौरान सुरक्षा और यातायात की व्यवस्था भी प्रशासन द्वारा बखूबी संभाली गई। पुलिस बल और नगर निगम कर्मचारियों को रथयात्रा मार्ग पर तैनात किया गया था। ट्रैफिक को सुचारू रखने हेतु वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की गई थी, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना की आशंका न रहे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्राथमिक चिकित्सा की मोबाइल टीम भी तैनात रही।

नगर निगम की सफाई व्यवस्था की भी प्रशंसा की गई, क्योंकि मार्गों की सफाई और सजावट पहले से ही कर दी गई थी। जगह-जगह पेयजल, शौचालय और सहायता केंद्रों की व्यवस्था भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई थी।

श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। छोटे बच्चों से लेकर वृद्धजनों तक झ सभी ने रथ को खींचने का सौभाग्य प्राप्त करने के लिए प्रयास किया। कई श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर आए थे।

शहर की निवासी रंजना जैना ने कहा, च्च्मैं पिछले १५ वर्षों से रथयात्रा में भाग ले रही हूं। हर बार भगवान की कृपा और आनंद की अनुभूति नई होती है। इस बार भी हजारों लोग आए और यह देखकर मन भर आया।ज्च्च्हम सब भगवान के रथ को एक बार खींच लें, यही सबसे बड़ा पुण्य है। वहीं युवा पीयूष ने बताया कि श्रद्धालुओं ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर रथ मार्ग पर फूल सजावट की थी और प्रसाद वितरण भी किया।

मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

रथयात्रा के समापन पर मां दुर्गा मंदिर, पोड़ी में भगवान जगन्नाथ की विशेष पूजा-अर्चना की गई। पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आरती उतारी और महाप्रसाद का वितरण हुआ। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर दर्शन किए और अपने जीवन में सुख-शांति की कामना की।

राज्यपाल डेका से डॉ. चावला ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं श्रीमती रानी डेका काकोटी से राजभवन में स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के पूर्व निदेशक पद्मश्री सम्मानित डॉ. योगेश चावला एवं उनकी धर्मपत्नी ने सौजन्य भेंट की।

भविष्य के ट्रैफिक दबाव को ध्यान में रख रायपुर में नई सड़क व फ्लाईओवर योजनाओं पर मंथन

00 कलेक्टर और एसएसपी ने किया शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण

रायपुर। राजधानी रायपुर में बढ़ती आबादी और भविष्य के ट्रैफिक दबाव को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने सक्रिय पहल शुरू कर दी है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने शहर के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों का दौरा कर संभावित विकास स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मठपुरैना, भाटागांव, उरकुरा, एक्सप्रेस-वे सहित अन्य महत्वपूर्ण इलाकों में प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण, नए एक्सप्रेस वे, फ्लाईओवर और रेलवे अंडरब्रिज/ओवरब्रिज की संभावनाओं का गहन अवलोकन किया। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि, ₹आने वाले 4 से 5 वर्षों में रायपुर की जनसंख्या और ट्रैफिक में वृद्धि होगी। इस चुनौती का सामना करने के लिए अभी से रणनीतिक तैयारी की जा रही है। कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि शहर में यातायात सुगमता हेतु नई सड़कों का निर्माण, एक्सप्रेस वे और फ्लाईओवर की योजना बनाना आवश्यक है। इस दौरान पहले से प्रस्तावित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार बिश्वरंजन, एडीएम श्री देवेंद्र पटेल, अपर कलेक्टर श्री कीर्तिमान सिंह राठौर सहित पुलिस, रेलवे और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित ० प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर०5/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com